संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

# दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -97 बुधवार , 07 फरवरी 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

## अजित गुट को माना असली एनसीपी

मुम्बई,06 फरवरी 2024 (ए )। शरद पवार को चुनाव आयोग से बड़ा झटका लगा है. कारण, चुनाव आयोग ने अजित गुट को ही असली एनसीपी करार दिया है. चुनाव आयोग ने कहा कि तमाम सबूतों के मद्देनजर ये फैसला लिया गया है. चुनाव आयोग का कहना है कि अजित पवार गुट को एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न इस्तेमाल करने का अधिकार है।
6 महीने से अधिक समय तक चली 10 से अधिक सुनवाई के बाद चुनाव आयोग ने एनसीपी में विवाद का निपटारा करते हुए अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट के पक्ष में फैसला सुनाया है. आयोग ने अपने फैसले में याचिका की रखरखाव के निर्धारित परीक्षणों का पालन किया,जिसमें पार्टी संविधान के लक्ष्यों और उद्देश्यों का परीक्षण,पार्टी संविधान का परीक्षण और संगठनात्मक और विधायी दोनों बहुमत के परीक्षण शामिल थे।

# कोचिंग सेंटरों के भ्रामक विज्ञापनों पर सरकार की नजर

## सरकार ने संस्थानों को अब तक जारी किए गए 32 नोटिस

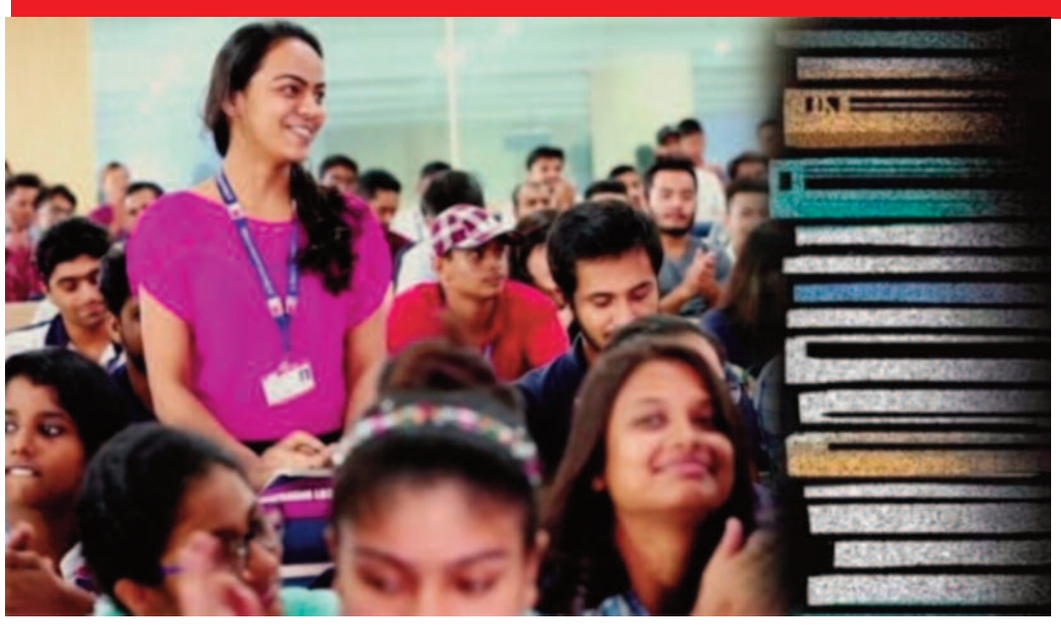

नई दिल्ली,06 फरवरी 2024 (ए)। कोचिंग सेंटरों के विज्ञापनों पर सरकार की नजर है। जहां शिक्षा मंत्रालय ने कुछ दिन पहले ही कोचिंग सेंटरों के विनियमन (रेगुलेशन) के लिए गाइडलाइंस जारी की है, वहीं केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने भी खुद संज्ञान लेते हुए कई कोचिंग सेंटरों को नोटिस जारी किया है। लोकसभा में कोचिंग सेंटरों के दावों को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार ने बताया कि सीसीपीए ने कोचिंग संस्थानों द्वारा भ्रामक विज्ञापन के खिलाफ खुद संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है। इस संबंध में अथॉरिटी ने भ्रामक विज्ञापनों के लिए कोचिंग संस्थानों को 32 नोटिस जारी किए हैं। इसके अलावा शिक्षा मंत्रालय भी इस मसले को लेकर काफी गंभीर है। मंत्रालय ने गाइडलाइंस तैयार कर सभी राज्यों को भेजा गया है ताकि राज्य कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई कर सकें।

### शिक्षा मंत्रालय ने पहले भी जारी की थी गाइडलाइंस

शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में है और कई राज्यों ने अपने संबंधित क्षेत्राधिकार में निजी कोचिंग और ट्यूशन क्लासेज को रेगुलेट करने के लिए लीगल फ्रेमवर्क के माध्यम से पहल की है। शिक्षा मंत्रालय की ओर से पहले भी गाइडलाइंस जारी हुई हैं। लेकिन पिछले दिनों में जिस तरह से कोटा में छात्रों की आत्महत्या के मामले सामने आए, उसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक बार फिर से नये सिरे से गाइडलाइंस जारी की हैं। चूंकि हर राज्य के अपने नियम होते हैं और वे राज्य केंद्र सरकार की गाइडलाइंस को कैसे लागू करते है और कोचिंग सेंटरों को लेकर क्या रूख अपनाते हैं, यह सब आने वाले समय में ही स्पष्ट होगा। देश में बहुत सारे छोटे- छोटे कोचिंग सेंटर भी हैं और उन सेंटरों को लेकर राज्य सरकार को कोई फैसला लेना होगा। गाइडलाइंस में इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर टीचर की क्वालिफिकेशन, फीस, फीस वापसी समेत तमाम पहलुओं को लेकर बात की गई है। डमी स्कूलों का चलन भी बढ़ा है और बच्चे स्कूल ही नहीं जाते। राज्य सरकारों को इस मसले पर भी काफी शिकायतें मिल रही हैं।

### कोचिंग सेंटरों को नोटिस भेज रही सरकार

शिक्षा मंत्रालय ने अपनी गाइडलाइंस में यह भी सिफारिश की है कि कोई भी कोचिंग संस्थान किसी भ्रामक विज्ञापन को प्रकाशित नहीं करेगा। पैरेंट्स या स्टूडेंट्स से यह वादा नहीं किया जाएगा कि इस कोचिंग सेंटर में पढ़ने से रैंक आने की गारंटी होगी या फिर बहुत अच्छे नंबर आ ही जाएंगे। कोचिंग सेंटर को अपनी वेबसाइट पर टीचर्स से जुड़ी सारी जानकारी देनी होगी। फीस, फीस रिफंड पॉलिसी की जानकारी देनी होगी। 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों का नामांकन नहीं किए जाने का निर्देश दिया गया है। शिक्षा मंत्रालय की गाइडलाइंस ऑनलाइन कोचिंग सेंटरों पर भी लागू होगी। झूठे और भ्रामक विज्ञानों से संबंधित मामलों को विनियमित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार का कहना है कि गाइडलाइंस के तहत शिक्षा मंत्रालय को नियमों की जानकारी वेबसाइट पर जरूर देनी होगी। साथ ही एनुअल रिपोर्ट भी तैयार कर सौंपनी होगी।

# स्थानीय निकाय कानून विधेयक,2024 ध्वनिमत से पारित

## जम्मू कश्मीर में '' जहां जाइएगा,मोदी-मोदी के नारे और विकास '' नजर आएगा

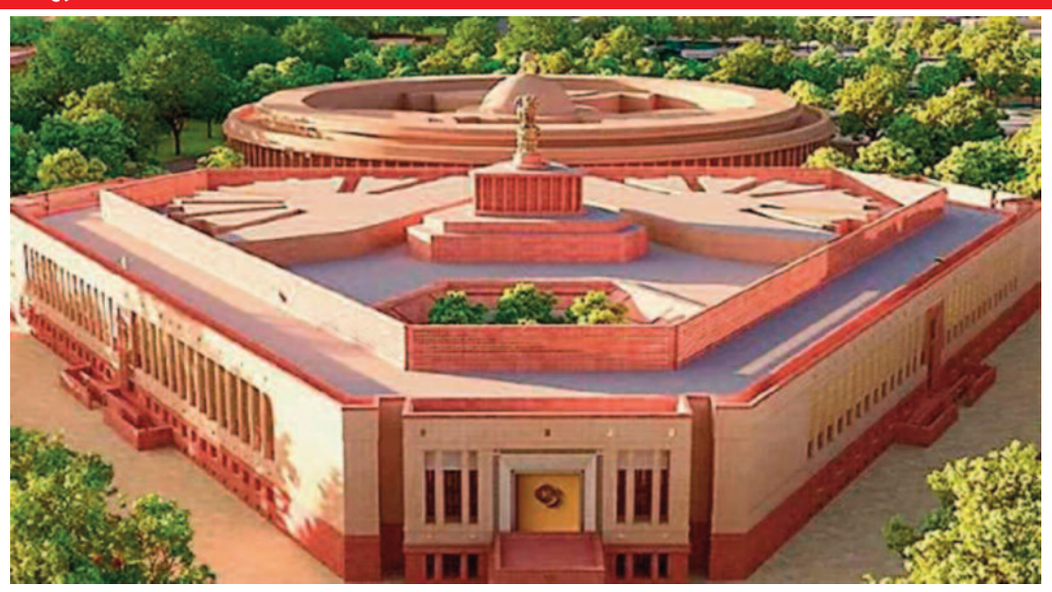

नयी दिल्ली,06 फरवरी 2024 (ए)। जम्मू कश्मीर में स्थानीय निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने के प्रावधान वाला विधेयक मंगलवार को लोकसभा में ध्वनिमत से पारित हो गया।
केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य स्थानीय निकाय चुनावों में निष्पक्षता और समावेशिता के सिद्धांतों को कायम करना है। इससे पहले विभिन्न विपक्षी दलों ने जम्मू कश्मीर में पंचायत निकाय के चुनाव कराये जाने के साथ-साथ विधानसभा चुनाव कराने की भी पुरजोर मांग की। बाद में सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को मंजूरी दे दी।
केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय द्वारा विधेयक पर चर्चा के जवाब के बाद सदन ने ''जम्मू कश्मीर स्थानीय निकाय कानून (संशोधन) विधेयक, 2024'' को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस विधेयक के जरिये जम्मू कश्मीर पंचायती राज अधिनियम, 1989; जम्मू कश्मीर निगम अधिनियम, 2000 और जम्मू कश्मीर नगर निगम अधिनियम, 2000 में संशोधन का प्रस्ताव है।
राय ने चर्चा पर जवाब के दौरान विपक्ष के उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया कि जम्मू कश्मीर की जनता त्राहिमाम कर रही है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में ''जहां जाइएगा, (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी-मोदी के नारे और मोदी द्वारा किया जा रहा विकास'' नजर आएगा।

### अनुच्छेद 370 और 35 ए हटाने के बाद महत्वपूर्ण बदलाव

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए हटाये जाने के बाद वहां महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं तथा शांति, सुरक्षा और विकास सहित सामाजिक एवं आर्थिक आयामों में सुधार देखे गये हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में सिंचाई परियोजना, कृषि, पर्यटन आदि क्षेत्रों में बेहतरीन विकास हुआ है तथा सामाजिक कल्याण के लिए कार्य हुआ है। राय ने कहा कि मोदी सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है कि जम्मू कश्मीर में हिंसा, पत्थरबाजी, हत्या एवं अन्य आतंकवादी घटनाओं में गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर के लोगों ने मोदी सरकार पर भरोसा किया है। उन्होंने कहा कि श्रीनगर के लाल चौक पर मुहर्रम के अवसर पर पहली बार जुलूस निकाला गया, और शारदा मंदिर में दिवाली का मेला आयोजित किया गया है।

# पेपर लीक करने वाले आरोपियों को मिलेगी सख्त सजा

### लोकसभा में पेश बिल पास

नयी दिल्ली,06 फरवरी 2024(ए)। प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और अनियमितताओं से सख्ती से निपटने के लिए मंगलवार को लोक परीक्षा (अनुचित साधन रोकथाम) विधेयक, 2024 संसद में पास हो गया। अब परीक्षा की शुचिता को भंग करने के अपराध के लिए नया कानून बनेगा। इसमें अनियमितता और गड़बड़ी पर अधिकतम 1 से 10 साल तक की जेल और 3 से 5 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान हो सकता है.लोक परीक्षा (अनुचित साधन रोकथाम) विधेयक, 2024 सोमवार को संसद में पेश किया गया था जो कि मंगलवार को पास भी हो गया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में इस विधेयक को मंजूरी दी थी। इस कानून के तहत विद्यार्थियों को निशाना नहीं बनाया जाएगा, बल्कि इसमें संगठित अपराध, माफिया और साठगांठ में शामिल पाए गए लोगों के खिलाफ कार्रवाई का प्रावधान है। .विधेयक में एक उच्च-स्तरीय तकनीकी समिति का भी प्रस्ताव है, जो कम्प्यूटर के माध्यम से परीक्षा प्रक्रिया को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए सिफारिशें करेगी. यह एक केंद्रीय कानून होगा और इसके दायरे में संयुक्त प्रवेश परीक्षाएं और केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए होने वाली परीक्षाएं भी आएंगी।

# पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट,11 की मौत,सड़क पर बिखरी पड़ी लाशें

### कई मकान भी ध्वस्त, डरावना है मंजर

हरदा,06 फरवरी 2024 (ए)। मध्य प्रदेश के हरदा जिले की बैरागढ़ बस्ती हर दिन गुलजार हुआ करती थी। मगर, मंगलवार की सुबह पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट और अग्निकांड ने यहां की तस्वीर ही बदल दी है। फैक्ट्री सहित कई मकान मलबे में तब्दील हो चुके हैं, वाहन कबाड़ में बदल गए हैं, वहीं धुएं के गुबार उठते नजर आ रहे हैं। सफाई के लिए जेसीबी लगी हुई है। राहत और बचाव कार्य में जीवित निकले लोगों को ले जाने वाली एंबुलेंस के सायरन सुनाई पड़ रहे हैं।दरअसल, हरदा के बैरागढ़ बस्ती में वर्षों से अवैध पटाखा फैक्ट्री चल रही थी। इस फैक्ट्री में मंगलवार की सुबह एक के बाद एक कई धमाके हुए। धमाकों के बाद आग ने अपना जोर दिखाना शुरू कर दिया। आसपास के कई मकानों को अपनी चपेट

में ले लिया। स्थानीय लोगों की मानें तो धमाके इतने तेज थे कि उन्हें लगा जैसे भूकंप आया हो और जब उन्होंने बाहर आकर देखा तो उन्हें काफी दूर से आग की लपटों के बीच पटाखे फूटने का नजारा और धुएं का गुबार नजर आया।
यह सिलसिला काफी देर तक चलता रहा। हादसे के लगभग छह घंटे बाद जो तस्वीर सामने आ रही है, वह इस हादसे की भयावहता की कहानी कह रही है। हर तरफ मलबे का ढेर है, दोपहिया वाहन से लेकर चार पहिया वाहन तक कबाड़ हो गए हैं, खाने के डिब्बे से लेकर समोसा तक पड़ा है और कई स्थानों पर तो बिखरे नोट तक मिले हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है। जिस स्थान पर यह हादसा हुआ है, वहां सफाई के लिए लगभग एक दर्जन जेसीबी को लगाया गया है। यह मशीन मलबा हटाने में लगी है।

# लिव-इन रिलेशनशिप का भी होगा रजिस्ट्रेशन

### पैदा हुए बच्चों को मिलेंगे सभी अधिकार, यूसीसी बिल में ऐसे प्रावधान

देहरादून,06 फरवरी 2024 (ए)। उत्तराखंड की भाजपा सरकार ने आज समान नागरिक संहिता का विधेयक विधानसभा में पेश किया है। जब ये विधेयक कानून बन जाएगा तब लिव इन रिलेशनशिप को भी व्यवस्थित और शादी की तरह सुरक्षित बनाने के लिए कई प्रावधान लागू हो जाएंगे। जैसे कि नए कानून के बाद लिव इन रिलेशन बनाने और खत्म करने की प्रक्रिया तय होगी। लिव इन रिलेशन को रजिस्टर कराना और खत्म करते समय भी इसकी रजिस्ट्रार को देना अनिवार्य होगा। इसकी सूचना थाने को भी दी जाएगी। यदि लिव इन पार्टनर में किसी की उम्र 21 वर्ष से कम है तो माता-पिता को भी सूचना दी जाएगी। मंगलवार सुबह उत्तराखंड विधानसभा में पेश किए गए समान नागरिक संहिता में लिव-इन रिलेशनशिप पर अन्य प्रमुख बिंदुओं में यह है कि लिव-इन रिलेशनशिप से पैदा हुए बच्चों को कानूनी मान्यता मिलेगी यानी, वे दंपति की वैध संतान होंगे। एक अधिकारी ने बताया, इसका मतलब है कि लिव-इन रिलेशनशिप के दौरान पैदा हुए सभी बच्चों को वे अधिकार मिलेंगे, जो शादी के बाद हुए बच्चों को मिलते हैं।

# मुख्यमंत्री के निजी सचिव,राज्यसभा सांसद सहित कई नेताओं के घर ईडी की छापेमारी...

### ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की छापेमारी

नई दिल्ली,06 फरवरी 2024 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के ठिकानों पर छापेमारी की है। मिली जानकारी के मुताबिक, ईडी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव विभव कुमार और राज्यसभा सांसद एनडी गुप्ता के घर पर छापेमारी की है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी छापेमारी कर रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव विभव कुमार और आम आदमी पार्टी से जुड़े अन्य लोगों पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने छापेमारी की है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में करीब 10 जगहों पर छापेमारी की जा रही है। केजरीवाल के निजी सचिव विभव कुमार और दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व सदस्य शलभ कुमार के अलावा कुछ अन्य नेताओं के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी चल रही है।
ईडी दिल्ली जल बोर्ड की टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताओं की जांच कर रही है। ईडी, सीबीआई और दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) की एफआईआर के आधार पर कार्रवाई कर रही है। सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया कि दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों ने विद्युत चुम्बकीय मीटरों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए निविदाएं जारी करते समय कंपनी का पक्ष लिया।तकनीकी योग्यता मानदंडों को पूरा नहीं करने के बावजूद कंपनी को 38 करोड़ रुपये का अवैध ठेका दिया गया और फर्जी दस्तावेज जमा कर टेंडर हासिल कर लिया।

# समान नागरिक संहिता बिल उत्तराखंड विधानसभा में पेश

देहरादून,06 फरवरी 2024 (ए)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को विधानसभा में यूसीसी बिल को पेश कर दिया है। बता दें कि उत्तराखंड में विधानसभा का सत्र शुरू हुआ है। सोमवार को उत्तराखंड कैबिनेट ने सीएम धामी की अध्यक्षता में इस बिल को मंजूरी दी थी। कांग्रेस और मुस्लिम संगठन इस बिल के विरोध में है। कांग्रेस का कहना है कि उत्तराखंड का इस्तेमाल प्रयोग के लिए हो रहा है। वहीं, मुस्लिम संगठन भी इस पर अपनी आपत्ति जता रहे हैं। विधानसभा के आस पास धारा-144 लगा दी गई है। बिल पेश होने से पहले सीएम धामी ने कहा कि लंबे समय से इसकी प्रतीक्षा थी।यूसीसी बिल को लेकर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि सीएम धामी की उत्सुकता समझ में आती है। सरकार बनाने के लिए यूसीसी का प्रयोग किया गया। रावत ने कहा कि केंद्र सरकार को यूसीसी लाना चाहिए था। अब दूसरे राज्य भी यूसीसी लाने का प्रयास करेंगे। बताया जा रहा है कि धामी सरकार का ये कदम 2024 के चुनाव से पहले गेमचेंजर साबित हो सकता है।

# दुष्कर्म के आरोपी को 30 साल की सजा

नई दिल्ली,06 फरवरी 2024 (ए)। मध्य प्रदेश के एक मंदिर में नाबालिग से बलात्कार के आरोप में एक व्यक्ति की दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उसे बिना छूट के 30 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने कहा, हमने याचिकाकर्ता-दोषी द्वारा मंदिर ले जाने के बाद पीड़िता की असहाय स्थिति पर ध्यान दिया है। सबूतों से पता चलता है कि जगह की पवित्रता की परवाह किए बिना उसने उसे और खुद को निर्वस्त्र किया और उसके साथ बलात्कार किया। पीठ ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 एबी के तहत दोषसिद्धि को बरकरार रखा।
पीठ ने कहा कि घटना के समय दोषी की उम्र 40 साल थी। 30 साल की सजा की एक निश्चित अवधि कारावास की संशोधित सजा होनी चाहिए। इसमें पीड़िता को उसके चिकित्सा खर्च और पुनर्वास के लिए दिए जाने वाले जुर्माने की राशि 1 लाख रुपये भी निर्धारित की गई है। एफआईआर के

मुताबिक, 7 साल की बच्ची आम लेने जा रही थी और रास्ते में आरोपी उससे मिला। आरोप उसे नमकीन देने के बहाने मंदिर में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।
निचली अदालत ने आरोपी को मौत की सजा सुनाई थी। लेकिन, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने इसे आजीवन कारावास में बदल दिया। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपील में हाईकोर्ट से दी गई सजा को कम करने की चुनौती दी गई थी। अपने आदेश में हाईकोर्ट ने कहा था कि किया गया अपराध बर्बर और क्रूर नहीं था। पीड़िता की गर्दन, गाल, छाती, पेट, जांघ और जननांग के बाहरी हिस्से पर कोई बाहरी चोट नहीं पाई गई थी। इस पर, सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हमारा मानना है कि जब 'बर्बर' और 'क्रूर' शब्दों का एक साथ उपयोग किया जाता है तो वे पर्यायवाची का चरित्र नहीं लेते हैं, बल्कि विशिष्ट अर्थ लेते हैंज यह कहना सही हो सकता है कि याचिकाकर्ता-दोषी ने बलात्कार का अपराध क्रूरतापूर्वक किया था, लेकिन फिर, निश्चित रूप से उसकी कार्रवाई बर्बर थी। हमें यह मानने में कोई झिझक नहीं है कि तथ्य यह है कि उसने इसे क्रूरतापूर्वक नहीं किया है, इससे इसका कृत्य गैर-बर्बर नहीं हो जाएगा।

# बीजेपी ने 2 लाख गांवों तक पहुंचने के लिए बनाया मेगा प्लान

### 12 फरवरी से 'ग्राम परिक्रमा यात्रा' का शुभारंभ

नई दिल्ली,06 फरवरी 2024 (ए)। आगामी लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत के साथ हैट्रिक बनाने के मिशन में जुटी भाजपा ने देश के 2 लाख गांवों तक पहुंचने के लिए 'ग्राम परिक्रमा यात्रा' का मेगा प्लान तैयार किया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा किसानों के गढ़ माने जाने वाले पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से 12 फरवरी को इस यात्रा का शुभारंभ करेंगे। पार्टी ने इस लॉन्चिंग यानी शुभारंभ कार्यक्रम को भी एलईडी के माध्यम से देशभर में किसानों को लाइव दिखाने के लिए एक बड़ी योजना बना ली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश के मुताबिक पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता 'ग्राम परिक्रमा यात्रा' के दौरान आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी का संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) तैयार करने के लिए किसानों और मजदूरों से सुझाव भी लेंगे, जिसे पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा तक पहुंचाया जाएगा।

## संपादकीय

# झारखंड से शुरू हुई नई परंपरा

मुख्यमंत्री बना और पद पर रहते मुख्यमंत्री के विधानसभा का उपचुनाव हारने का भी रिकॉर्ड बना। मुख्यमंत्री के घर पर बिना समन की छापेमारी का भी अभी रिकॉर्ड बना है और हेमंत सोरेन पहले मुख्यमंत्री बने हैं, जो ईडी के अधिकारियों के साथ इस्तीफा देने राजभवन गए। अब प्रदेश में एक नया प्रयोग हुआ है या यूं कहें कि नई परंपरा शुरू हुई है।

बाल ठाकरे के नेतृत्व वाले शिव सेना के शुरुआती दिनों को अपवाद मान लें तो झारखंड मुक्ति मोर्चा पहली प्रादेशिक पार्टी बनी है, जिसने परिवार से बाहर के किसी व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया है। आज तक किसी प्रादेशिक पार्टी ने किसी भी स्थिति में परिवार से बाहर के किसी नेता को मुख्यमंत्री नहीं बनाया है। झारखंड में ईडी के दबाव में हेमंत सोरेन को इस्तीफा देना पड़ा तो उन्होंने मजबूरी में ही सही लेकिन पार्टी के सबसे पुराने नेताओं में से एक चम्पई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया। ऐसा नहीं है कि उनके परिवार में मुख्यमंत्री बनने योग्य लोग नहीं हैं। उनकी भाभी सीता सोरेन तीन बार से विधायक हैं और छोटे भाई बसंत सोरेन भी विधायक हैं। लेकिन हेमंत ने अपनी पत्नी कल्पना सोरेन को सीएम बनाने का प्रयास किया, जो विधायक नहीं हैं। उनके लिए एक सीट भी खाली कराई गई थी लेकिन पार्टी और परिवार में विरोध को देखते हुए और राज्यपाल द्वारा शपथ दिलाने से मना करने की संभावना को भांप कर हेमंत ने चम्पई सोरेन को मुख्यमंत्री बनवाया है।

इससे पहले झारखंड जैसी स्थिति बिहार में पैदा हुई थी। चारा घोटाले से जुड़े मुकदमे में 1997 में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के जेल जाने की नौबत आई तो उन्होंने अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनवाया। वे पढ़ी लिखी नहीं थीं और विधायक भी नहीं थीं। लेकिन लालू की पार्टी को पूर्ण बहुमत था और वे एकछत्र नेता था। इसके अलावा जितनी भी प्रादेशिक और परिवारवादी पार्टियां हैं उनमें कभी भी किसी बाहरी नेता को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया। बाल ठाकरे ने जरूर पहले मनोहर जोशी और नारायण राणे को सीएम बनवाया था और रिमोट कंट्रोल से उनको चलाने की बात भी कहते थे लेकिन बाद में उनके बेटे उद्धव ठाकरे ने खुद ही मुख्यमंत्री बनना सही समझा।

बाकी पूरे देश में प्रादेशिक पार्टियों के नेता किसी पर भरोसा नहीं करते हैं। कर्नाटक में एचडी देवगौड़ा ने अपने बेटे एचडी कुमारस्वामी को मुख्यमंत्री बनाया तो तमिलनाडु में करुणानिधि के बेटे एमके स्टालिन सीएम बने। हरियाणा में देवीलाल के बाद ओमप्रकाश चौटाला बने तो उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह के बाद अखिलेश यादव, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर रेड्डी के बेटे जगन मोहन व एनटीआर के दामाद चंद्रबाबू नायडू और जम्मू कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला के बेटे उमर अब्दुल्ला व मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी महबूबा मुफ्ती सीएम बनीं। कह सकते हैं कि इन सबके सामने हेमंत सोरेन जैसा संकट नहीं था। संकट काल में ही सही लेकिन झारखंड में एक परंपरा शुरू हुई है। अगर इसका विस्तार होगा तो वह लोकतंत्र के लिए बेहतर होगा।

# इंडिया एलायन्स में सब गड़बड़

**'इंडिया'** एलायंस के घटक दलों ने इतना भी अनुशासन नहीं रखा कि वे दूसरे दलों पर नकारात्मक बयानबाजी न करें। जिसका ग़लत संदेश गया। हिसाब से इस एलायंस के बनते ही सीटों के बंटवारे का काम हो जाना चाहिए था जिससे उम्मीदवारों को अपने-अपने क्षेत्र में जनसंपर्क करने के लिए काफी समय मिल जाता। पर शायद इन दलों के नेता ईडी, सीबीआई और आयकर की धमकियों से डरकर पूरी हिम्मत से एकजुट नहीं हो रहे है, नहीं हो पा रहे है।

देश के मौजूदा राजनैतिक माहौल में लोगों के दो ख़ेमे हैं। एक तरफ वे करोड़ों लोग हैं जो दिलो जान से नरेंद्र मोदी को चाहते हैं और ये मानकर बैठे हैं कि 'अब की बार चार सौ पार।' इनके इस विश्वास का आधार है मोदी की आक्रामक कार्यशैली, श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा, उनका बेहिचक हिंदुत्व का समर्थन करना तथा काशी, उज्जैन, केदारनाथ, अयोध्या, मिर्जापुर और अब मथुरा आदि तीर्थ स्थलों पर भव्य कॉरिडोरों का निर्माण। इनके अलावा अप्रवासी भारतीयों का भारतीय दूतावासों में मिल रहा स्वागतपूर्ण रवैया, निर्धन वर्ग के करोड़ों लोगों को उनके बैंक खातों में सीधा पैसा ट्रान्सफर और 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन का बाँटना व भविष्य में आर्थिक विकास के बड़े-बड़े दावे।

जबकि दूसरे ख़ेमे के नेताओं और उनके करोड़ों चाहने वालों का मानना है कि देश के युवाओं में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि दो करोड़ रोजगार हर वर्ष देने का वायदा करके भाजपा की मोदी सरकार देश के नौजवानों को सेना, पुलिस, रेल, शिक्षा व अन्य सरकारी विभागों में नौकरी देने में नाकाम रही है। आज भारत में बेरोज़गारी की दर पिछले 40 वर्षों में सबसे ज्यादा है। जबकि मोदी जी के वायदे के अनुसार इन दस वर्षों में 20 करोड़ लोगों को नौकरी मिल जाती तो किसी को भी मुफ्त राशन बाँटने की नौबत ही नहीं आती। क्योंकि रोजगार पाने वाला हर एक युवा अपने परिवार के पांच सदस्यों के पालन पोषण की जिम्मेदारी उठा लेता। यानी देश के 100 करोड़ लोग गरीबी की सीमा रेखा से ऊपर उठ जाते। इसलिए इस खेमे के लोगों का मानना है कि इन करोड़ों युवाओं का आक्रोश भाजपा को तीसरी बार केंद्र में सरकार नहीं बनाने देगा।



विपक्ष के इस खेमे के अन्य आरोप हैं कि भाजपा सरकार महंगाई को काबू नही कर पाई। उसका शिक्षा और स्वास्थ्य बजट लगातार गिरता रहा है। जिसके चलते आज गरीब आदमी के लिए मुफ्त या सस्ता इलाज और सस्ती शिक्षा प्राप्त करना असंभव हो गया है।

इसी खेमे का यह भी दावा है कि मोदी सरकार ने पिछले 10 सालों में विदेशी कर्ज की मात्रा 2014 के बाद कई गुना बढ़ा दी है। इसलिए बजट में से भारी रकम केवल ब्याज देने में खर्च हो जाती है और विकास योजनाओं के लिए मुठ्ठी भर धन ही बचता है। इसका खामियाजा देश की जनता को रोज बढती महंगाई और भारी टैक्स देकर झेलना पड़ता है। इसलिए सेवा निवृत्त लोग, मध्यम वर्ग और व्यापारी बहुत परेशान है।

इसके अलावा विपक्षी दलों के नेता मोदी सरकार पर केन्द्रीय जाँच एजेंसियों व चुनाव आयोग के लगातार दुरूपयोग का आरोप भी लगा रहे हैं। इसी विचारधारा के कुछ वकील और सामाजिक कार्यकर्ता ईवीएम के दुरूपयोग का आरोप लगाकर आन्दोलन चला रहे हैं। दूसरी तरफ इतने लम्बे चले किसान आन्दोलन की समाप्ति पर जो आश्वासन दिए गये थे वो आज तक पूरे नहीं हुए। इसलिए इस खेमे का मानना है कि देश का किसान अपनी फ़सल के वाजिब दाम न मिलने के कारण मोदी सरकार से ख़फ़ा है। इसलिए इनका विश्वास है कि किसान भाजपा को तीसरी बार केंद्र में सत्ता नहीं लेने देगा।

अगर विपक्ष के दल और उनके नेता पिछले साल भर में उपरोक्त सभी सवालों को दमदारी से जनता के बीच जाकर उठाते तो वास्तव में नरेंद्र मोदी के सामने 2024 का चुनाव जीतना भारी पड़ जाता। इसी उम्मीद में पिछले वर्ष सभी प्रमुख दलों ने मिलकर 'इंडिया' एलायंस बनाया था। पर उसके बाद न तो इस एलायंस के सदस्य दलों ने एक साथ बैठकर देश के विकास के मॉडल पर कोई दृष्टि साफ़ की, न कोई साझा एजेंडा तैयार किया, जिसमें ये बताया जाता कि ये दल अगर सत्ता में आ गये तो बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार से कैसे निपटेंगे। न अपना कोई एक नेता चुना।

हालाँकि लोकतंत्र में इस तरह के संयुक्त मोर्चे को चुनाव से पहले अपना प्रधानमंत्री उम्मीदवार तय करने की बाध्यता नहीं होती। चुनाव परिणाम आने के बाद ही प्रायः सबसे ज्यादा सांसद लाने वाले दल का नेता प्रधानमंत्री चुन लिया जाता है। पर भाजपा इस मुद्दे पर अपने मतदाताओं को यह समझाने में सफल रही है कि विपक्ष के पास मोदी जी जैसा कोई सशक्त नेता प्रधानमंत्री बनने के लायक़ नहीं है। ये भी बार-बार कहा जाता है कि 'इंडिया' एलायंस के घटक दलों का हर नेता प्रधानमंत्री बनने के सपने देख रहा है।

'इंडिया' एलायंस के घटक दलों ने इतना भी अनुशासन नहीं रखा कि वे दूसरे दलों पर नकारात्मक बयानबाजी न करें। जिसका ग़लत संदेश गया। इस एलायंस के बनते ही सीटों के बंटवारे का काम हो जाना चाहिए था। जिससे उम्मीदवारों को अपने-अपने क्षेत्र में जनसंपर्क करने के लिए काफी समय मिल जाता। पर शायद इन दलों के नेता ईडी, सीबीआई और आयकर की धमकियों से डरकर पूरी हिम्मत से एकजुट नहीं रह पाए। यहाँ तक कि क्षेत्रीय दल भी अपने कार्यकर्ताओं को हर मतदाता के घर-घर जाकर प्रचार करने का काम भी आज तक शुरू नहीं कर पाए। इसलिए ये एलायंस बनने से पहले ही बिखर गया।

दूसरी तरफ भाजपा व आर एस एस ने हमेशा की तरह चुनाव को एक युद्ध की तरह लड़ने की रणनीति 2019 का चुनाव जीतने के बाद से ही बना ली थी और आज वो विपक्षी दलों के मुकाबले बहुत मजबूत स्थिति में खड़े हैं। उसके कार्यकर्ता घर घर जा रहे हैं। जिनसे एलायंस के घटक दलों को पार पाना, लोहे के चने चबाना जैसा होगा। इसके साथ ही पिछले नौ वर्षों में भाजपा दुनिया की सबसे धनी पार्टी हो गई है। इसलिए उससे पैसे के मामले में मुकाबला करना आसान नहीं होगा।

देश के मीडिया की हालत सभी जानते हैं। प्रिंट और टीवी मीडिया इकतरफा होकर रातदिन केवल भाजपा का प्रचार करता है। जबकि विपक्षी दलों को इस मीडिया में जगह ही नहीं मिलती। जाहिर है कि चौबीस घंटे एक तरफा प्रचार देखकर आम मतदाता पर तो प्रभाव पड़ता ही है। इसलिए मोदी, अमित शाह, नड्डा बार-बार आत्मविश्वास के साथ कहते हैं, अबकी बार चार सौ पार। जबकि विपक्ष के नेता ये मानते हैं कि भाजपा को उनके दल नहीं बल्कि 1977 व 2004 के चुनावों की तरह आम मतदाता हराएगा। भविष्य में क्या होगा ये तो चुनावों के परिणाम आने पर ही पता चलेगा कि 'इंडिया' एलायंस के घटक दलों ने बाजी क्यों हारी और अगर जीती तो किन कारणों से जीती?

**-विनीत नारायण-**

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

## हूँ...मैं

अपने डर से बहुत -बार लड़ा हूँ...मैं ।
जीने की हर कोशिश में बहुत-बार मरा हूं मैं।
सैकड़ों बार टूट -टूट केफिर उन
टुकड़ों को जोड़ कर जुड़ा हूँ.. मैं।
अपने डर से बहुत -बार लड़ा हूँ....मैं ।
अपनों ने ही खींचे थे पाव।
सैकड़ो बार गिरकर लड़खड़ाते हुए
फिर भी खड़ा हूँ..मैं।
मिले तो थे हाथ साथ मगर।
जिंदगी की राह पर फिर भी अकेला
चला हूँ..मैं।
अपने डर से बहुत -बार लड़ा हूँ....मैं ।
सवाल बन के क्यों...रह गई जिंदगी।
हर उस जवाब की तलाश में अब
चला हूँ...मैं।
उम्मीदों से छुड़ाकर हाथ अपना।
आज आपने साथ पहली बार चला
हूँ...मैं।



**प्रीति शर्मा असीम**
नालागढ़
हिमाचल प्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

# दतिया के प्राचीन वैभव से मुलाकात

रात 11.30 की ट्रेन लगभग आधे घंटे विलंब से अतर्रा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 1 पर पहुँची थी। मैं



**प्रमोद दीक्षित मलय**
बाँदा,उत्तरप्रदेश

जल्दी से अपना पिट्ठू बैग उठाकर कोच में चढ़ गया, सीट पर बैग रखा और भीगे बालों को हाथ से झटक कर साफ किया। दरअसल आसमान पर बादल भी यात्री बन साथ हो लिए थे और लगातार बरस रहे थे। कोच में चढ़ते वक्त बारिश की बूँदें यात्रियों को हल्का भिगो दे रही थीं। सीट पर चादर बिछाई और बैग सिरहाने लगा सो गया। सुबह चाय गरम, चाय गरम की आवाज से नींद टूटी। सूरज भी अँगड़ाई लेकर झाँकने लगा था। पूरे कोच में चहल-पहल थी। सामने की सीट पर एक विवाहित जोड़े को बैठा पाया। बात करने पर पता चला कि हमीरपुर से बैठे हैं, रोजी-रोटी की तलाश में परदेश कमाने निकले हैं। मैंने पूछा कि दिल्ली जाओगे। युवक की बजाय पत्नी बोली, नहीं बाबू साहब, यहीं झाँसी में काम करेंगे। घर क्यों छोड़ा ? अबकी बार युवक बोला, खेती भर से गृहस्थी नहीं चलती, कुछ महीने बाहर कमा लेंगे तो घर में मदद मिल जायेगी, इस साल बहन की शादी-गौना भी करना है। युवक-युवती बातचीत और पहनावे से पढ़े-लिखे लगे। बाबू जी! गरम चाय पिएँगे, अदरक वाली मस्त चाय है। चायवाले वेंडर की आवाज से युवक से बातचीत का क्रम टूटा, मैंने दस रुपए का सिक्का थमा चाय का कुल्हड़ लिया। मैंने उन दोनों को चाय ऑफर की पर उन्होंने मना कर दिया। यह मऊरानीपुर स्टेशन था, ट्रेन अब पटरियों पर फिसलने लगी थी।

कोच में तैरती बातचीत से पता चला कि ट्रेन एक घंटा लेट है। दरअसल मऊरानीपुर से बहुत सारे कर्मचारी और शिक्षक झाँसी के लिए यात्रा करते हैं, वही लोग आपस में बातचीत कर रहे थे। मैंने देखा कि उनमें से चार लोगों ने सूटकेस को घुटनों के ऊपर रख ताश खेलना शुरू कर दिया था। अरे, मैंने यह तो बताया ही नहीं कि मैं कहाँ की यात्रा पर निकला हूँ। मित्रों! मैं दतिया, मध्यप्रदेश एक साहित्यिक कार्यक्रम में सहभाग करने जा रहा हूँ। आयोजन 5-6 सितम्बर,2023 को है।

लगभग चालीस मिनट की देरी से ट्रेन दतिया स्टेशन पहुँची। मैंने ऑटो लिया और होटल पहुँच स्नानादि से निवृत्त होकर जलपान कर सभागार में बैठ गया। पूरे देश से साहित्यकार जुटे थे, बहुत सारे परिचित थे, सभी से आत्मीय भेंट हुई। मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक श्री विकास दवे द्वारा मुझे शॉल ओढ़ाकर सम्मान पत्र भेंट किया गया। शाम को कविता पाठ सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में मेरा स्वागत हुआ। भोजन करके अपने कमरे में जाकर सो गया। सुबह दतिया के ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों को यात्रा का कार्यक्रम था। सुबह जल्दी जगने की आदत होने के कारण नींद स्वाभाविक रूप से खुल गयी। दो-एक साथी और जग गये थे जो होटल के बारामदे में टहल रहे थे। बाहर मार्निंग वॉक करने के मेरे प्रस्ताव पर वे दोनों मेरे साथ हो लिए। खुला शांत माहौल, सड़क के किनारे हम टहलते दो किमी आगे निकल गये। फेफड़ों में ताजी हवा भरकर वापस हुए। एक गुमटी पर चाय पी और होटल पहुँचे।

थोड़ी देर तैयार होकर जलपान किया और बैग लेकर बाहर खड़ी बस में सभी लोग बैठ गये। बस चल पड़ी। पहला पड़ाव माँ पीताम्बरा देवी के द्वार पर। रात की बारिश से सड़क और मंदिर परिसर गीला था। बाहर की दुकान से प्रसाद और एक दोना पुष्प-माला लेकर मुख्य द्वार पर पहुँचे। वहाँ पर मोबाइल जमा कर टोकन लिया, निकट ही जूते उतार दर्शनार्थियों की पंक्ति में लग गये। भीड़ नहीं थी, बहुत सहजता से पीताम्बरा माई का दर्शन कर आगे धूमावती माता का दर्शन कर अन्य मंदिरों में स्थापित भगवान परशुराम मंदिर, सरस्वती मंदिर, काल भैरव मंदिर आदि मंदिरों में स्थापित देव प्रतिमाओं का दर्शन कर पुण्यभागी बने। पीताम्बरा पीठ की स्थापना 1935 में एक सिद्ध संत द्वारा महाराज शत्रुजीत सिंह बुंदेला के सहयोग से की गई थी। यहाँ तांत्रिक तंत्र साधना हेतु आते हैं। 1962 के चीनी आक्रमण के दौरान पं. जवाहर लाल नेहरू को यजमान बनाकर 11 दिवसीय तांत्रिक यज्ञ हुआ, 9वें दिन युद्ध रुक गया था। ये सब जानकारी वहाँ साधनारत एक पंडित जी ने बताई थीं। दर्शन पूरा हुआ, लौटकर द्वार पर टोकन दे अपना मोबाइल वापस पाया और बस में बैठे। बस चल पड़ी राजा वीर सिंह महल की ओर। महल बस्ती के अंदर है तो बस 500 मीटर पहले ही रोक दी गई। सभी लोग पैदल चलकर महल पहुँचे। आयोजकों ने टिकट की व्यवस्था की और सभी महल में दाखिल हुए। गाईड ने बताया कि इस महल का निर्माण 1620 में राजा वीर सिंह जूदेव ने जहांगीर के स्वागत के लिए कराया था। महल 8-9 वर्षों में पूरा हुआ। वीर सिंह ने तब 52 स्मारक बनवाये थे जिनमें महल, तालाब, चौकी, मंदिर आदि थे। यह महल सात मंजिला है पर ऊपर की तीन-चार मंजिलें दर्शकों के लिए बंद कर दी गई हैं। इसके निर्माण में लोहे और लकड़ी का प्रयोग नहीं किया गया, केवल ईट-पत्थर उपयोग किया। उस समय इसके निर्माण में 35 लाख रुपए लागत आई थी। यह मुगल और राजपूत स्थापत्य शैली में निर्मित है। दतिया पधारने के अनुरोध को जहांगीर ने विनम्रतापूर्वक मना कर दिया। तबसे यहाँ कोई राजा ठहरा नहीं। स्वास्तिक आकार में बने महल में लगभग दो घंटा रुकने के बाद बस में बैठ आगे बढ़े। रास्ते में एक हनुमान मंदिर में भोजन किया और पहुँच गये जैन तपस्थली सोनागिरि मंदिर पर्वत पर। यहाँ एक टीले पर 108 छोटे-बड़े जैन मंदिर हैं जिनमें क्रमांक 57वाँ मंदिर अति विशाल और दिव्य-भव्य है। जैन तीर्थकर चंद्रप्रभु की 3 मीटर से अधिक ऊँची प्रतिमा स्थापित है। मंदिर की स्थापना 9वीं शती की बताई जाती है। प्रत्येक वर्ष वर्ष प्रतिपदा से रंगपंचमी तक मेला लगता है और रथयात्रा निकलती है। वार्षिक समारोह के दौरान ध्वजारोहण कार्यक्रम होता है और शिखर पर लगा झंडा बदला जाता है। बहुत ही शांत वातावरण है, यहाँ से जाने का मन नहीं करता पर जाना विवशता थी क्योंकि वापसी ट्रेन शाम की थी। उनाव के सूर्य मंदिर का दर्शन करवा कर बस ने मुझ सहित कुछ साहित्यकारों को स्टेशन के पास उतार कर होटल की ओर बढ़ गई। ट्रेन समय से थी, मैं अपनी सीट पर लेटे हुए कार्यक्रम और भ्रमण की स्मृतियों में खो गया।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

# 1900 दशक से 2024 तक आते-आते विचारों में क्रांति बदलाव

यदि मैं अपने बचपन कि यादों में खोकर पुनः उन सभी अखबार की सुर्खियों को याद कर अपने



**वीना आडवाणी तन्वी**
नागपुर,
महाराष्ट्र

ज़हन मात्र में लाती हूँ तो आज भी याद आता है की पहले दहेज प्रथा ने जैसे कोहराम मचा रखा था । हफ्ते में कम से कम तीन चार खबरें तो ऐसी सन 1900 के दशक में पढ़ने को मिल ही जाती थी । तब मॉ बाप सदैव एक ही भय और चिंता से ग्रस्त अधिक रहते थे कहीं हमारी बेटी के ब्याहने के बाद उसके साथ ना कोई ऐसा-वैसा हादसा हो जाए । इसी डर से बेटी के पैदा होने से लेकर ही उसके लिए ढ़ेर सारा धन जोड़ना शुरू कर देते थे ताकी उसके विवाह के समय एक मोटी रकम अरे हॉ भाई वही रकम वर को दी जाए जो एक प्रथा के अंतर्गत आती है । प्रथा का नाम देकर एक मोटी रकम दहेज के रूप में कन्या पक्ष से ली जाती है जानते हैं इस प्रथा के कर्तव्य को सुनिश्चित तरीके से पूरा करने के बावजूद भी बहुत सी बेटी इस दहेज् की सूली पर चढ़ा दी जाती हैं और मां बाप सिर्फ अपने ही एक अंग के हिस्से को कटा देख अवाक रह दर्द से घिर जाते और अंत में इस दर्द भरी वेदना से निकलने के लिए कहते शायद हमारी बेटी की किस्मत में जीवन जीने का इतना ही समय लिखा था । क्या दहेज लोभी जो दहेज लेते हैं बेटी के साथ-साथ वो ये सोचते की वो किसी पराई की बेटी को मुफ्त में खिलाएंगे इसलिए उसी के मायके से मिले दहेज से उसका पालन करेंगे । क्या ? या मेरी नज़रों में तो ऐसे भेड़ियों की यही सोच होती ही होगी । तो आप अगर हिसाब लगाओ तो एक बेटी जो बहू बन आपके घर आई वो आप के और आप के बेटे की हर खुशी , सुविधा के लिए खुद को भूल जाती है । साथ ही यदि उसके द्वारा किये गये घर के हर एक कार्य यहां तक की आपको दिये वारिस के देखरेख का यदि मूल्यांकन करें तो वो मूल्यांकन अनगिनत होगा उसके हर एक परिवार के लिए दिये गये बलिदान का फिर भी किसी ओर के अंश को गाजे-बाजे के साथ लाकर उसकी अवहेलना करना निश्चित ही किसी लालची परिवार




, निराधार का ही काम होगा । सच ऐसे भेड़ियों के चेहरे पर लगे नकाब को पहले पहचान पाना असम्भव सा प्रतीत होता और जब तक प्रतीत होता तब तक या तो बहुत देर हो चुकी होती ।

अब ज़रा अपनी बेटी पराए घर भेजने वालों जरा गौर करें , आपने अपनी जिंदगी का अभिन्न अंश,या बेशकीमती हीरा आपकी बेटी को तो ब्याह कर अपनी जिम्मेदारी भी पूरी की , दहेज के नाम पर उसकी तमाम बची उम्र के लिये खर्चा पानी भी दिया उसके बावजूद बेटी ने ब्याहने के बाद अपने ससुराल या अपने घर की समस्त जिम्मेदारियों का निर्वहन भी करते हुए सभी की खुशी का ध्यान रखा । उसकी हर एक निर्वहन की जिम्मेदारी की आय का आंकलन करें तो बहुत अधिक होगी तो उसी आंकलित आय के अंतर्गत उसने अपने खाने-पीने का प्रबंध भी किया । उसके बावजूद वही बेटी दहेज के सूली भी चढ़ जाती इतना कुछ करने के बाद । तो बेटी को पराया धन या बोझ समझने की गलती नहीं करें । जानते हैं पहले ये प्रथा का बहुत अधिक बोलबाला था कारण था बेटियों को पढ़ाई लिखाई से वंचित रख ये सोचना की पढ़ लिख के करेगी क्या आगे चलकर ससुराल में चूल्हा चौकी तो ही संभालना है । मां बाप की इसी सोच,अरे सिर्फ मां बाप की ही नहीं इस समाज कि ऐसी सोच ने ही 1900 दशक तक ना जाने कितनी बेटियों को लील लिया सिर्फ दहेज प्रथा के नाम पर ।

जब इस विष भरी प्रथा के पैर अति से महाअति की ओर बढ़ गये तब एक नारा आया बेटी पढ़ाओ,बेटी बचाओ सच ये वो नारा था जिसने इंसान की आंखों पर लगी प्रथा की पट्टी को धीरे-धीरे खोला जागरुकता अभियान चलाए गये , रंगमंच से समझाया गया और ये भी उदाहरण दिये की फलाने ने अपनी बेटी को शिक्षित कर सशक्त बनाया तो वो आज कितनी खुश है इस तरह के अनेकों उदाहरणों से समाज में एकदम से तो नहीं परंतु जागरुकता बढ़ी और लोगों ने शिक्षा का महत्व समझते हुए अपनी बेटियों को पढ़ाना शुरू कर दिया । ऐसा नहीं की दहेज प्रथा आज पूर्णतः रूप से समाप्त हो गई है । परंतु पहले से की गुना सुधार इस प्रथा के अंतर्गत हुआ है अब सौ प्रतिशत का जो इस नरभक्षी प्रथा का हिस्सा था अब घट कर वह पचास प्रतिशत या उससे भी कम हो गया है । धीरे-धीरे ये पचास प्रतिशत भी जो शेष इस घिनौनी प्रथा का हिस्सा है आशा है वह पूर्णतः शुन्य हो जाएगा । बेटियां अब सशक्त हो अपने पैरों पर खड़ी हो स्वयं के लिए आय अर्जित करने में सक्षम हो रही हैं। अब बेटियों को पहले की तरह बोझ नहीं अपनी शान समझा जाता है और उनके देश के भीतर तक नहीं विदेशों तक परचम फैलाने के लिये हौसला अफजाई अपने घर , अपने जनक से मिल रही है । यही हौसला अफजाई उसके विश्वास को और भी मजबूत कर आगे बढ़ने में सहायक साबित हो रही ।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

## धरा पर पाप ना छूटे

सोचता हूँ कवि बनू कविता लिखू
कबि कर्म की रक्षा करू,
पर अकेले अन्धकार मे खड़ा
कब तक प्रकाश की प्रतीक्षा करू।
हे प्रभु मेरा धनुष ना रूठे
धरा पर पाप ना छूटे,
नहीं तो लघु बृक्ष पूछेगे
दादा बरगद तू लड़ा क्यों नही
अन्धकार से,जब तक न मिट जाता
मानव के संसार से।
युद्ध के लिए तो मै-
तन-मन-धन से तैयार था,
पर पार्थ की तरह मुझ पर भी
संशय सवार था।
वार किस पर करू-
अपने ही वन्धु बान्धव और मित्रो पर,
या उनके भीतर पल रहे कुकृत्यो पर।
योद्धा तुम्हे लड़ना पड़ेगा,
युद्ध मे मरना पड़ेगा।
छोड़ देगे तो आगे निकल जायेगा,
आ रही मानवता को राह मे खा जायेगा।
होरी धनिया का
रक्त लेकर जा रहा वह पातक है,
आओ मिलकर मार डाले
यही सबका घातक है।
आज फिर से जा मिला-
अरिदल से मेरा सारथी,
खून से लथपथ विजय की आरती।
जीत की चुनर पहनकर,आ रही माँ भारती।



**डॉ.पंकज शुक्ल प्राणेश ,**
भागलपुर,देवरिया
उत्तर प्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

## छत्तीसगढ़ मा राम

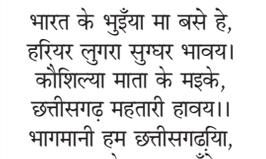




भारत के भुइँया मा बसे हे,
हरियर लुगरा सुग्घर भावय।
कौशिल्या माता के मइके,
छत्तीसगढ़ महतारी हावय।।
भागमानी हम छत्तीसगढ़िया,
चरण छू के माथ नवाँये।
अइसन हमर पावन भुइँया,
राम ह इहाँ भाँचा कहाये।।
राम ल जब वनवास होइस,
संग म लछ्मन सीता आये।
कुटि बनाये ये भुइँया मा,
छत्तीसगढ़ के भाग जगाये।।
राक्षस अउ दानव ला मारे,
रिसि मुनि के प्राण बचाये।
छत्तीसगढ़ के ये महिमा ला,
ज्ञानी अउ विद्वान ह गाये।।
जशपुर मल्हार सिरपुर राजिम,
आरंग मा प्रभु राम ह आये।
शिवरीनारायण के पावन भुइँया,
शबरी के जूठा बोइर खाये।।
तुरतुरिया वाल्मीकि के आश्रम,
माता सीता जिनगी बिताये।
लव कुश ल इहाँ जनम देके,
छत्तीसगढ़ के मान बढ़ाये।।



**राजकुमार निषाद राज**
बिरोदा, धमधा
जिला-दुर्ग
(छत्तीसगढ़)

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

## गीत

शौर्य शांति समृद्धि धरा पर,
कर्मशील नर लाता है।
जो श्रम की चाबी कर लेकर,
आगे बढ़ता जाता है।।
साहस का परिचय तुम देना,
जब भी विपदा आ जाए।
वीर भूमि है अपना भारत,
कायर क्यों तू कहलाए।।
जो सरहद की रक्षा करता,
वीर पुत्र कहलाता है।
शौर्य शांति समृद्धि धरा पर,
कर्मशील नर लाता है।
शांति दूत हम कहलाते हैं,
प्रेम राह पर ही चलते।
नहीं अराजकता फैलाकर,
द्वेष-अनल में हम जलते।।
इस धरती पर बुद्ध हुए हैं,
जिनका यश जग गाता है।
शौर्य शांति समृद्धि धरा पर,
कर्मशील नर लाता है।
वसुधा पर समृद्धि सारी,
खलिहानों से आती है।
जहाँ प्रीति की सुभग फसल,
खेतों में बोई जाती है।।
कृषक अन्नदाता होता जो,
सब की क्षुधा मिटाता है।
शौर्य शांति समृद्धि धरा पर,
कर्मशील नर लाता है।।



**प्रीति चौधरी मनोरमा**
जनपद बुलंदशहर
उत्तरप्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

## कर्मफल कैसा होगा

बादल से भी तो नही बरसात हुई
बरिश के बूंदें भी अधर की ना हुई
जीवन पड़ाव को कैसे समझ पाये
मन की उलझन को कैसे समझाये
जीवन भी अब बेमानी ही लगता है
सपनों की ही तो कहानी लगता है
हकीकत इसकी कैसे समझ पाये
मन की उलझन को कैसे समझाये
उलझनो मे हम रोज ही सुलगते है
तक़रार तो कभी प्यार मे उलझते है
उलझनों से कोई कैसे भी बच पाये
मन की उलझन को कैसे समझाये
जल में रहकर अब प्यासे रहते है
कहानी हकीकत की ही कहते है
जीवन में कैसे कोई परिवर्तन लाये
मन की उलझन को कैसे समझाये
कोई राज छुपा हो मन के अंदर में
जब लगी आग हो जब समन्दर में
कोई कैसे अपना अब घर बचाये
मन की उलझन को कैसे समझाये
ना जाने कब ये सवाल हल होगा ?
क्या आज से अच्छा ही कल होगा
क्या कर्म की लकीर बदल हम पाये
मन की उलझन को कैसे समझाये
कर्म कर रहे है कर्मफल कैसा होगा
क्या कर्म से जीवन संघर्ष तय होगा
इसी संसय में उम्र भी बीत ना जाये
मन की उलझन को कैसे समझाये



**प्रमेशदीप मानिकपुरी**
आमाचानी
धमतरी
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

## लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना

आंखों में नींद बहुत है पर सोना नहीं
यही समय है कुछ कर दिखाने का
इस अवसर को कभी खोना नहीं।
राह मुश्किल हैं पर कभी थकना नहीं
यही समय है अपने लक्ष्य को पाने का
निरंतर चलते रहना कभी भटकना नहीं।
चुनौतियां बहुत है पर कभी घबराना नहीं
यही समय है अपना सपना सच करने का
इस सुनहरे अवसर को कभी गंवाना नहीं।
कदम आगे बढ़ा लिया है अब रुकना नहीं
यही समय है अपने मकसद को पाने का
निरंतर आगे बढ़ते रहना कभी थकना नहीं।
लंबा है सफर पर कभी थककर बैठना नहीं
यही समय है अपने अंदर जुनून जगाने का
लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना कभी रुकना नहीं।

**श्याम सुंदर साहू**
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

**समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।**

CMYK

# मंगलवार की दोपहर अचानक अंबिकापुर के उप पंजीयक प्रभारी अधिकारी बदले गए

## नए प्रभारी अधिकारी का आईडी जनरेट नहीं होने के कारण भूमि पंजीयन प्रक्रिया में आई बाधा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

मुख्यालय के उप पंजीयक कार्यालय में मंगलवार की दोपहर अचानक प्रभारी अधिकारी को बदल देने से भूमि पंजीयन प्रक्रिया में बाधा की स्थिति बन गई। इसके पहले लगभग 10 भूमि का पंजीयन एनजीडीआरएस प्रणाली से हो चुका था। बताया जा रहा है कि कलेक्टर के आदेश पर नए प्रभारी उप पंजीयक के पहुंचने के बाद पिछले दो दिनों से उप पंजीयक का प्रभार संभाल रहीं अर्चना कश्यप अपना कार्यभार नायब तहसीलदार को सौंप दिया। इसके बाद भूमि पंजीयन की प्रक्रिया पूरी तरह से अवरूद्ध हो गई। नए प्रभारी अधिकारी का आईडी जनरेट नहीं होने के कारण भूमि पंजीयन का काम रूक गया।

जानकारी के मुताबिक उप पंजीयक सिद्धार्थ शंकर मिश्रा के अवकाश में रहने के कारण यहां का कार्यभार पिछले दो दिनों से सीतापुर पंजीयक कार्यालय की अर्चना कश्यप प्रभारी अधिकारी बतौर संभाल रही थीं। तीसरे दिन मंगलवार को अचानक प्रभारी उप पंजीयक का दायित्व नायब तहसीलदार अजय गुप्ता को दे दिया गया, इसके बाद वे उप पंजीयक कार्यालय पहुंच गए और अर्चना कश्यप उन्हें अपना कार्यभार सौंपकर कार्यालय मुख्यालय उप पंजीयक से चली गई। अचानक हुए इस बदलाव से कार्यालय में भूमि पंजीयन के लिए पहुंचे लोगों के सामने इसके बाद दुविधाजनक स्थिति बन गई।

वैसे भी एनजीडीआरएस प्रणाली से भूमि का पंजीयन होने के कारण पूर्व में 15 से 20 मिनट में होने वाले पंजीयन के काम में 35 से 40 मिनट लग रहा है। भूमि पंजीयन की प्रक्रिया ऑनलाइन पूरी करने के लिए यहां के कर्मचारी ताकत झोंकने में लगे थे। तकनीकि बाधा की स्थिति में और भी विलंब की स्थिति बनती है। ऐसे हालातों के बीच भूमि पंजीयन का काम अवरूद्ध होना लोगों को खल रहा था। भूमि पंजीयन के लिए कुछ वृद्ध महिला-पुरूष व्हील चेयर में तो कुछ स्वजनों के सहारे पहुंचे थे। ऐसे में भूमि पंजीयन प्रक्रिया से अनजान अधिकारी को प्रभारी उप पंजीयक का प्रभार क्यों सौंपा गया, इसे लेकर सवाल उठ रहे थे। उप पंजीयक कार्यालय के कर्मचारी भी इस संबंध में कुछ बता पाने की स्थिति में नहीं थे।

### रायपुर से होता है नया आईडी जनरेट

सूत्रों का कहना है कि एनजी आर डी एस, नेशनल जनरिक डॉक्यूमेंटेशन रजिस्ट्रेशन प्रणाली से पंजीयन के लिए जिम्मेदार अधिकारी का आईडी रायपुर स्थित महानिरीक्षक पंजीयक कार्यालय से जनरेट होता है। मंगलवार को अर्चना कश्यप के आईडी से भूमि पंजीयन की प्रक्रिया चल रही थी। अचानक नए अधिकारी नायब तहसीलदार अजय गुप्ता को चार्ज देने के बाद उहापोह की स्थिति बन गई, वहीं दोपहर लगभग एक बजे अर्चना कश्यप भूमि पंजीयन को काम छोड़कर चली गई। वहीं रायपुर से नया आईडी जनरेट नहीं होने के कारण भूमि पंजीयन का काम अटक गया है।

### दुबारा स्केन कराना पड़ेगा दस्तावेज

बताया जा रहा है कि ऑनलाईन होने वाले भूमि पंजीयन की प्रक्रिया के लिए स्कैन किये गये कागजातों को उसी दिन अपलोड करना पड़ता है यदि किसी कारणवश उसी दिन कागजातों को पोर्टल में सबमिट नहीं किया जा पाता है तो फिर यह प्रक्रिया पुनः शुरू से करनी पड़ती है। आज भी पंजीयन के लिए कई लोगों द्वारा कर्मचारियों से कागजातों को स्कैन कराया गया था परंतु अचानक प्रभार में बदलाव के कारण अब आज की उक्त सारी प्रक्रिया किसी काम नहीं रह जायेगी और इसे कल पुनः नये सिरे से कराना पड़ेगा।

## एक दिवसीय निर्यात आउटरीच कार्यशाला का हुआ आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 06 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में निर्यात की संभावनाओं से जागरूक करने के लिये मंगलवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन लाईवलीहुड कॉलेज में किया गया। कार्यशाला का आयोजन डीजीएफटी महानिदेशक नागपुर एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया।

## नवनियुक्त एसपी ने पदभार किया ग्रहण, बेसिक पुलिसिंग से व्यवस्था बनाने दिया निर्देश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

जिले के नवनियुक्त एसपी 2012 बैच के आईपीएस विजय अग्रवाल ने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया। इस दौरान राजपत्रित पुलिस अधिकारियों के द्वारा उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया तथा गॉर्ड ऑफ ऑनर द्वारा सलामी दी गई। पदभार ग्रहण करने के पश्चात एसपी ने राजपत्रित पुलिस अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर जिले के वस्तुस्थिति से अवगत हुए। इस दौरान एसपी ने अधिकारियों की सामान्य बैठक ली। इसके बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय के विभिन्न शाखाओं का भ्रमण कर कार्यालयीन गतिविधियों की समीक्षा की।

एसपी द्वारा कार्यालय में पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों को विभागीय कार्यों में गतिशीलता लाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिया। कार्यालय भ्रमण के बाद एसपी ने आईजी कार्यालय पहुंचकर आईजी अंकित गर्ग से सौजन्य भेंज की। एसपी द्वारा जिले में बेसिक पुलिसिंग के माध्यम से चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था बनाने एवं त्वरित कार्रवाई से आमनागरिकों का विश्वास हासिल करने की बात कही गई, एवं अपराध निराकरण की दिशा में तेजी के साथ काम करने के निर्देश सामान्य बैठक में दिए गए हैं।

## भारत जोड़ो न्याय यात्रा समस्त वर्गों की है आवाज : आकाश शर्मा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस द्वारा मंगलवार को राजीव भवन में संभाग स्तरीय बैठक प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा के अध्यक्षता में बुलाई गई। जिसका मुख्य उद्देश्य राहुल गांधी द्वारा चलाई जा रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा रोजगार दो न्याय दो के संदर्भ में चर्चा करना और उसके स्वागत और व्यवस्थापन के लिए युवा मोर्चा को जिम्मेदारी देना था। बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने सभी प्रदेश, जिला, विधानसभा और ब्लॉक के पदाधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी और

उत्साह के साथ कार्य करने के निर्देश दिए राहुल गांधी आज देश के समस्त युवाओं की आवाज है और हम समस्त युवाओं का कर्तव्य है कि हम राहुल गांधी की आवाज को बुलंद करें हम सब का एक ही नारा है 'हमें न्याय दो रोजगार दो' ।कार्यक्रम का संचालन जिला अध्यक्ष विकल झा ने किया। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष मुज्जसम नजर, प्रदेश महासचिव प्रीतिका विश्वकर्मा, पूर्णिमा सिमरिया, राहुल जायसवाल, नरेंद्र यादव, मनीष तिवारी,सुमन दुबे, बृजेश यादव ,नीतीश तम्रकार, हिमांशु जायसवाल, आतिफ राजा, आमिर सोहेल हिमांशु अग्रवाल, आकाश अग्रहरि, आशीष गुप्ता, विवेकानंद महंत, अभिषेक सोनी एवं अन्य युवा कांग्रेस के साथी उपस्थित रहे।

## नजूल भूमि पर चल रहे चर्च निर्माण को जिला प्रशासन की टीम ने ढहाया

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

शहर के गोधनपुर क्षेत्र में नजूल भूमि पर अतिक्रमण कर चर्च बनाया जा रहा था। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा नोटिस दिया गया था पर नोटिस का संतोषप्रद जवाब नहीं मिलने पर जिला प्रशासन की टीम ने मंगलवार को बुलडोजर से निर्माण को तोड़ दिया है। कार्रवाई के दौरान विवाद की स्थिति बन गई थी जिसे प्रशासनिक अधिकारियों के हस्तक्षेप से रोका गया।

शहर के गोधनपुर क्षेत्र स्थित चंदू गैरेज के आगे खसरा नंबर 390 पर लगभग दो एकड़ नजूल भूमि पर पिछले कुछ दिनों से चर्चा का निर्माण कराया जा रहा था। इसकी जानकारी मिलने पर जिला प्रशासन व निगम द्वारा संबंधित को नोटिस दिया गया था। नोटिस का संतोषप्रद जवाब नहीं दिए जाने पर मंगलवार की सुबह प्रशासनिक अमला कार्रवाई के लिए पहुंचा। मौके पर बन रहे चर्च को थोड़ी देर में ही बुलडोजर से जमींदोज कर दिया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि इससे पूर्व कब्जा कर निर्माण कर रहे लोगों की सूचना दे दी गई थी। स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाये जाने के कारण निर्माण हटाया गया। इस दौरान कुछ लोगों ने विवाद की स्थिति पैदा कर दी थी जिसे अधिकारियों ने समझाईश के साथ शांत कर दिया। बताया जा रहा है कि उक्त भूमि पर पहले से ही कई लोग कब्जा कर घर बना कर रहते हैं। अधिकतर यहां निवासरत लोगों ने 152 प्रतिशत के तहत पट्टा के लिए आवेदन भी कर दिया है। उधर चर्च निर्माण को लेकर विरोध के स्वर उठने लगे थे।

## सोशल मीडिया पर कपड़ा खरीदने के दौरान महिला से 1 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

सोशल मीडिया पर ऑनलाइन कपड़ा खरीदी करने के दौरान एक महिला 1 लाख रुपए ऑनलाइन ठगी की शिकार हो गई। वह मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर ममाले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सकीना परवीन पति अख्तर आलम बलरामपुर जिले के चांदो की मूल निवासी है और अंबिकापुर हब्बिनगर में रहती हैं। 3 फरवारी को सकीना सोशल मीडिया पर कपड़ा खरीदने के लिए सर्च कर रही थी। पसंद आने पर ऑनलाइन पेमेंट करना चाह रही थी। तभी अज्ञात व्यक्ति का इसके मोबाइल पर फोन आया और यूपीआई के माध्यम से पेमेंट करने की बात कही। इस दौरान अज्ञात व्यक्ति अपने फोन पे से महिला के फोन पे नंबर पर 5 रुपए भेजा और फिर उसे पमेंट करने के लिए बोला। इस दौरान महिला के खाते से कई बार में 99 हजार 9 सौ 89 रुपए कट गए। वह मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ धारा 42, 66 डी के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

## समाज की बैठक में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मुख्य धारा से जोड़ने की बनी सहमति

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 06 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

स्वर्णकार वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले संभागीय इकाई सरगुजा की बैठक राजपुर हरितिमा में हुई। बैठक में प्रमुख रूप से समाज के उत्थान एवं अन्य गतिविधियों पर परिचर्चा की गई। बैठक में विशेष रूप से स्वर्णकार कला बोर्ड के संगठन हेतु छत्तीसगढ़ शासन के समक्ष प्रस्ताव रखने एवं राजधानी रायपुर तथा प्रदेश के समस्त जिला इकाई एवं ब्लॉक स्तर पर समाज हेतु भूमि आवंटित किए जाने हेतु प्रस्ताव रखा गया। समाज में आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर लोगों को मुख्य धारा से जोड़ते हुए उनके बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य एवं विवाह इत्यादि प्रयोजन पर समाज की ओर से मदद हेतु सहमति प्रदान की गई। साथ ही समाज की ओर से अन्य गतिविधियों जैसे स्वास्थ्य शिविर का आयोजन तथा शिक्षा एवं स्वच्छता शिविर का आयोजन कर जागरूकता फैलाने का कार्य किए जाने पर सभी द्वारा सहमति प्रदान की गई। बैठक प्रदेशाध्यक्ष डीके सोनी की अगुवाई में तथा समाज सरगुजा के अध्यक्ष राजेंद्र सोनी की अध्यक्षता एवं सोनार उत्थान समाज राजपुर के ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश सोनी के आतिथ्य में संपन्न हुई। उक्त बैठक में राकेश सोनी, राजू सोनी, अखिलेश सोनी, नीलम सोनी, प्रीति सोनी, राजेश सोनी, शालिग्राम सोनी, गोपाल सोनी, दिलीप सोनी, रविकांत सोनी, विकास सोनी, ओमप्रकाश सोनी, पप्पू सोनी, अनिल सोनी, शुभम सोनी सहित समाज के अन्य लोग शामिल रहे।

## लोकसभा चुनाव के लिए कमर कसकर तैयार रहें पदाधिकारी व कार्यकर्ता

» सरगुजा लोकसभा भाजपा पर्यवेक्षक दल ने ली बैठक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

लोकसभा चुनाव की दृष्टि से भाजपा संगठन द्वारा सरगुजा लोकसभा हेतु नियुक्त पर्यवेक्षक दल ने मंगलवार को संकल्प भवन भाजपा कार्यालय अंबिकापुर में भाजपा के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ बैठक की तथा लोकसभा हेतु दावेदारों से आवेदन लिए। पर्यवेक्षक बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, बैकुंठपुर विधायक भैयालाल राजवाड़े तथा पूर्व विधायक चम्पा देवी पावले सहित आदिम जाति कल्याण व कृषि मंत्री रामविचार नेताम की उपस्थिति में सरगुजा, सूरजपुर तथा बलरामपुर जिले के प्रमुख भाजपा पदाधिकारियों व नेताओं की बैठक हुई जिसमें पर्यवेक्षकों ने सरगुजा लोकसभा हेतु पार्टी के सम्भावित दावेदारों से आवेदन व बायोडाटा भी कलेक्ट किए। इस अवसर पर बैठक को संबोधित करते हुए केबिनेट मंत्री रामविचार नेताम तथा विधायक धरम लाल कौशिक ने भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव हेतु कमर कसकर तैयार रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन लोकसभा चुनाव सह संयोजक अखिलेश सोनी ने तथा आभार प्रदर्शन लोकसभा संयोजक कमल भान सिंह ने किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह,पूर्व मंत्री रामसेवक पैकरा, बाबूलाल अग्रवाल, ओमप्रकाश जायसवाल, भीमसेन अग्रवाल, रजनी त्रिपाठी, विजयनाथ सिंह, सिद्धनाथ पैकरा, अभिमन्यु गुप्ता, देवनाथ पैकरा, राजेश महलवाला, मुरली सोनी तथा संजय सिंह सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे।

## बिना सूचना के अनुपस्थित पाए जाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के कटेंगे वेतन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर विलास भोस्कर ने मंगलवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने कार्यालय में कार्यरत सभी अधिकारी-कर्मचारियों के कार्यालयीन समय में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कार्यालयीन समय में उपस्थित रहकर अनुशासित होकर अपने सौंपे गए दायित्वों का निष्पादन करें। निर्धारित कार्यालयीन समयावधि में बिना सूचना के अनुपस्थित पाए जाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों का एक दिवस के वेतन कटौती की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इस हेतु अपर कलेक्टर सुनील नायक को कार्यालयों में आकस्मिक जांच के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर भोस्कर ने प्रधानमंत्री जनमन योजना की जिले में

क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कहा कि विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों को शासन की समस्त हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिले के सभी 126 ग्राम एवं ग्राम पंचायतों के 199 बसाहटों में 8 और 9 फरवरी को विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी विभाग पीएम जनमन योजना के तहत शासन की विभिन्न योजनाओं से विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवाओं को लाभान्वित करने आवश्यक कार्यवाही में लग जाएं। उन्होंने कहा कि पीवीटीजी समुदाय के शत-प्रतिशत बच्चों का जाति प्रमाणपत्र बनाया जाना हमारी प्राथमिकता है, जांच करें और वंचितों का जल्द जाति प्रमाणपत्र बनाए जाने की प्रक्रिया शुरू करें। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को अब तक बन चुके जाति प्रमाण पत्र का वितरण जल्द विद्यालयों में करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अन्य योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधा एवं पेयजल की सुविधा लोगों तक पहुंचने वाली निरन्तर प्रक्रिया है, लोगों को इन सुविधाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। वहीं जिन बसाहटों में विद्युत सम्बन्धी समस्या है वहां कार्ययोजना बनाकर तत्काल निराकरण की कार्रवाई करें। बैठक में कलेक्टर ने महतारी वंदन योजना के सम्बंध में कहा कि यह शासन की महत्वपूर्ण योजना है। ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आवेदन की प्रकिया शुरू हो गई है, योजना का लाभ शत-प्रतिशत हितग्राहियों को दिलाने गम्भीरता के साथ आवश्यक कार्यवाही करें जिससे कि हितग्राहियों को किसी प्रकार की समस्या ना हो। बैठक में सीईओ जिला पंचायत नूतन कंवर, अपर कलेक्टर सुनील नायक और एएल ध्रुव, समस्त एसडीएम एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

## अग्निवीर भर्ती के लिए संचालित व्यवस्थाओं का कलेक्टर ने लिया जायजा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर विलास भोस्कर मंगलवार को पीजी कॉलेज में वायु सेना अग्निवीर भर्ती हेतु ऑनलाईन आवेदन करने के लिए संचालित सुविधा केंद्र पहुंचे। उन्होंने यहां आवेदन प्रक्रिया की जानकारी ली तथा अब तक हुए आवेदन संख्या के सम्बंध में पूछा। उन्होंने जिला रोजगार अधिकारी को आवेदकों हेतु समुचित व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन पंजीयन में किसी भी प्रकार की समस्या न हो इसलिए तकनीकी उपकरणों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करें। कलेक्टर भोस्कर ने इस दौरान आवेदन करने आए युवाओं से चर्चा की तथा प्रोत्साहित करते हुए शुभकामनाएं दीं।

## पुलिस में कथित नस्लभेद के आरोपों की होगी जांच,भारतीय मूल के अफसर की आत्महत्या के बाद जागी सरकार

**सिंगापुर,06 फरवरी 2024।** सिंगापुर में भारतीय मूल के पुलिस अधिकारी की मौत के मामले में यहां के कानून एवं गृहमंत्री के. शनमुगम लगातार सख्त रुख अपनाए हुए हैं। इसी क्रम में, शनमुगम ने बताया कि अधिकारी द्वारा मौत से ठीक पहले नस्ली भेदभाव और कार्यस्थल पर प्रताड़ित किए जाने के लगाए गए आरोपों की जांच पुलिस संभावित कदाचार और अनुशासनात्मक उल्लंघन के तौर पर करेगी।

यह है मामला

शनमुगम ने पिछले साल उवरजा गोपाल की हुई मौत पर संसद में मंत्री स्तरीय बयान देते हुए यह टिप्पणी की। बता दें, 35 वर्षीय अधिकारी 21 जुलाई को यिशुन आवासीय परिसर में एक इमारत के नीचे बेसुध पड़ा पाया गया था। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था। बताया जा रहा है कि अधिकारी ने आत्महत्या की थी। उन्होंने 10 से अधिक वर्षों तक पुलिस के साथ सेवा की थी।

### अपने वरिष्ठों पर लगाया था आरोप

गोपाल ने एक फेसबुक पोस्ट में दावा किया था कि उन्हें कार्यस्थल पर उनके वरिष्ठों द्वारा तंग किया गया था, उनकी टीम के सदस्यों ने उनके साथ नस्लीय दुर्व्यवहार किया था और उन्होंने मदद मांगी थी, लेकिन उन्हें कोई मदद नहीं मिली। अधिकारी द्वारा लगाए गए आरोपों में कार्यस्थल पर खराब माहौल होने का भी उल्लेख किया गया था। उक्त पोस्ट को बाद में हटा दिया गया था लेकिन इसके कई स्क्रीनशॉट 'रेडिट' पर दोबारा डाले गए।अधिकारी ने यह भी लिखा था कि उसने मदद मांगी थी लेकिन उसकी कोई सहायता नहीं की गई।

### अनुशासनात्मक उल्लंघन के रूप में होगी जांच

शनमुगम ने सदन को बताया, घटना के बाद से पुलिस ने अपनी नीतियों की समीक्षा की और इन मामलों के लिए दृष्टिकोण की एक रूपरेखा है। उन्होंने कहा कि नस्लीय दुर्व्यवहार या आकस्मिक नस्लवाद से जुड़े मामलों की जांच संभावित कदाचार और एक अनुशासनात्मक उल्लंघन के रूप में की जाएगी । यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इस तरह की घटना का रिकॉर्ड हो और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए और अधिकारी के बाद के व्यवहार की भी बारीकी से निगरानी की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि पुलिस वार्षिक नैतिकता संगोष्ठी जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से नस्लीय टिप्पणियों या आकस्मिक नस्लवाद के मुद्दों पर अधिकारियों को शामिल करना, संस्कृति को आकार देना और स्पष्ट चर्चा में शामिल होना जारी रखेगी।

एसपीएफ ने कहा कि आरोप निराधार पाए गए। हालांकि, उवराजा की मौत के बाद,शनमुगम ने एसपीएफ को एक और जांच करने और अटॉर्नी-जनरल के चैंबर्स (एजीसी) को निष्कर्षों की समीक्षा करने के लिए कहा। मंगलवार को, शनमुगम ने सदन को बताया कि एजीसी ने एसपीएफ की नवीनतम जांच के निष्कर्षों की समीक्षा की है और निर्धारित किया है कि आगे की कार्रवाई की आवश्यकता नहीं थी।

# सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार को मिला यूएई का गोल्डन वीजा,इसके मिलने से होने वाले फायदे

**अबूधाबी,06 फरवरी 2024।** यूएई ने सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार को गोल्डन वीजा दिया है। अब आनंद कुमार भी उस सूची में आ गए जिनके पास यह वीजा होगा। यूएई ने बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान और संजय दत्त समेत कई मशहूर हस्तियों को पहले से ही गोल्डन वीजा दिया जा चुका है।

गौरतलब है कि 2019 में यूएई ने गोल्डन वीजा देने की शुरूआत की थी। जिसके तहत इस वीजा को पाने वाले व्यक्ति को लंबे समय तक यूएई में स्वतंत्र रूप से काम, आवास और अध्ययन करने की छूट मिलती है। विज्ञान,ज्ञान,संस्कृति और कला के क्षेत्र में व्यक्तियों को गोल्डन वीजा दिया जाता है। आनंद कुमार को भारत स्थित यूएई दूतावास द्वारा गोल्डन वीजा के लिए नामांकिन किया गया था, मंगलवार को यह आधिकारिक तौर पर उन्हें प्राप्त हुआ।

सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार ने कहा कि यह मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं इसके लिए अधिकारियों का आभारी हूं। बता दें आनंद कुमार को शिक्षा के क्षेत्र में उनके व्यापक काम के लिए व्यक्तिगत रूप से सम्मान प्राप्त करने के लिए यूएई में आमंत्रित किया है।

### कौन है आनंद कुमार

गणित के शिक्षक आनंद कुमार ने 2002 में पटना में अपना सुपर 30 कार्यक्रम शुरू किया, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) की प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन और जेईई-एडवांस्ड के लिए वंचित छात्रों को कोचिंग देने के लिए जाना जाता है। आनंद कुमार को टाइम पत्रिका की सर्वश्रेष्ठ एशिया 2010 की सूची में नामित किया गया था। 2023 में उन्हें साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से सम्मानित किया गया था।

### क्या होता है गोल्डन वीजा?

गोल्डन वीजा मिलने के बाद यूएई में लंबे समय तक रहने की इजाजत मिल जाती है। इस वीजा के मिलने के बाद व्यक्ति 10 सालों तक यूएई में रह सकता है। ये वीजा निवेशक, उद्यमी,शोधकर्ता,मेडिकल पेशेवर,वैज्ञानिक और छात्रों को मिलता था।

### गोल्डन वीजा के ये फायदे

ऐसे लोग जिनके पास गोल्डन वीजा होगा उन्हें आम वीजाधारकों की तुलना में कई अतिरिक्त सुविधाएं मिलेंगी। मसलन,सबसे अहम सुविधा यह है कि वे बिना किसी अन्य व्यक्ति या कंपनी की सहायता के अपने पति या पत्नी और बच्चों के साथ यूएई में रह सकेंगे। अभी तक इसके लिए स्पॉन्सर की आवश्यकता पड़ती थी। इस वीजा का एक और फायदा यह भी मिलेगा कि गोल्डन वीजाधारक तीन कर्मचारियों को स्पॉन्सर भी कर सकेंगे। इसके अलावा वह अपनी कंपनी के किसी वरिष्ठ कर्मचारी को रेसीडेंसी वीजा भी दिलवा सकेंगे।

## अमेरिका में कमर्शियल स्पाइवेयर के दुरुपयोग करने वालों को नहीं मिलेगा वीजा

**वाशिंगटन,06 फरवरी 2024।** अमेरिकी सरकार ने एक नई नीति की घोषणा की है जो कमर्शियल स्पाइवेयर के दुरुपयोग में शामिल व्यक्तियों पर वीजा प्रतिबंध लगाने की अनुमति देगी। कमर्शियल स्पाइवेयर का दुरुपयोग सबसे गंभीर मामलों में मनमाने ढंग से हिरासत में लेने, गायब होने और हत्याओं से जुड़ा हुआ है। सरकार ने एक बयान में कहा, इन उपकरणों का दुरुपयोग अमेरिकी कर्मियों के लिए सुरक्षा और काउंटर-इंटेलिजेंस खतरा पैदा करता है।

# हिंदू मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के लिए महंत स्वामी महाराज पहुंचे अबूधाबी,शेख नाहयान मुबारक ने किया स्वागत

**अबूधाबी,06 फरवरी 2024।** अबूधाबी के पहले हिंदू मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए महंतस्वामी महाराज यूएई के अबूधाबी पहुंचे हैं। इस दौरान उनका राजकीय अतिथि के तौर पर स्वागत किया गया। पीएम मोदी 14 फरवरी को अबूधाबी में हिंदू मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शिरकत करेंगे। गौरतलब है कि मध्य पूर्व में पारंपरिक हिंदू वास्तुकला शैली में पहला पाषण निर्मित मंदिर होने जा रहा है, जिसका निर्माण बीएपीएस संस्था द्वारा किया गया है। अबूधाबी में स्थित यह भव्य मंदिर भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच मैत्री,सांस्कृतिक सद्भाव व सहयोग की भावना का प्रतीक है।

### मुझे आपके आशीर्वाद की अनुभूति हो रहीःनाहयान

अबूधाबी के शेख नाहयान मुबारक अल नाहयान ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि हमारे देश में आपका स्वागत है। मुझे आपके आशीर्वाद की अनुभूति हो रही है। हमारे देश में आपकी उपस्थिति से हम धन्य हैं। उल्लेखनीय है कि 2015 में अबूधाबी के क्राउन प्रिंस और यूएए शेख मोहम्मद बिन जायद नाहयान ने मंदिर के निर्माण के लिए 13.5 एकड़ जमीन उपहार में दी थी। उसके बाद जनवरी 2019 में 13.5 एकड़ भूमि और आवंटित की गई। जिसके बाद कुल 27 एकड़ भूमि मंदिर को भेंट की गई।

### यह मंदिर दोनों देशों के संबंधों का प्रतीक- ब्रह्मविहरिदास

पूज्य ब्रह्मविहरिदास स्वामी ने कहा कि अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर वैश्विक सद्भाव,अतीत की समृद्ध विरासत का उत्सव मनाने और भविष्य का मार्गदर्शन करने के लिए एक आध्यात्मिक द्वीप के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि यह मंदिर परम पूज्य महंत स्वामी महाराज की आध्यात्मिकता और यूएई और भारत दोनों के नेतृत्व और बीएपीएस संगठन की उदारता,ईमानदारी और मित्रता का एक कालातीत प्रमाण है।

# पाकिस्तान की सियासतः मुल्क में आम चुनाव से पहले चुनाव आयोग का ऐप्प विवादों में,सॉफ्टवेयर में छेड़छाड़ की आशंका

**इस्लामाबाद,06 फरवरी 2024।** पाकिस्तान में दो दिन बाद आम चुनाव के लिए मतदान होने हैं। उससे पहले चुनाव आयोग (ईसीपी) का नया ऐप्प सवालों के घेरे में आ गया है। दरअसल,अधिकारियों ने आशंका जताई है कि इस ऐप्प के सॉफ्टवेयर में हेरफेर से चुनाव परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। ईसीपी ने चुनाव परिणामों को तेजी से प्रसारित करने और सारणीबद्ध करने के लिए एप को तैयार किया है।

ईसीपी ने परिणामों के प्रसारण के लिए चुनाव प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) ऐप्प तैयार किया है। जिसमें सभी परिणामों का सारणीकरण उन निर्वाचन कार्यालयों के द्वारा पूरा किया जाएगा,जो प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के परिणाम तैयार करने और जारी करने के लिए प्रभारी होंगे। ईसीपी ने दावा किया कि ईएमएस ऐप्प का देशव्यापी ट्रायल रन सफल रहा है और यह इस्तेमाल के लिए पूरी तरह से तैयार है। हालांकि,सिंध प्रात के दो चुनाव अधिकारियों ने पिछले हफ्ते दूसरे ट्रायल के बाद इसमें खामियां बताई हैं।

कम्बर की नेशनल असेंबली सीट एनए-197 (कम्बर-शाहददकोट-2) के लिए सहायक आयुक्त (एसी) अब्दुल कादिर मशोरी और निर्वाचन अधिकारी (आरओ) को नियुक्त किया गया है। जबकि,सिंध विधानसभा की पीएस-12 सीट (लरकाना-तृतीय) के लिए उस्मान खासखेली को सहायक आयुक्त और निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। इन दोनों अधिकारियों ने अपने वरिष्ठों को पत्र लिखा है, जिसमें ईएमएस एप में खामियों पर चिंता जताई गई है।

डॉन अखबार की खबर के मुताबिक, मशोरी ने तीन फरवरी को कम्बर-शाहददको जिला निर्वाचन अधिकारी को पत्र भेजा था। इसमें उन्होंने एप में खामियों की ओर इशारा किया था। बाद में इन खामियों को ठीक कर लिया गया। इसके बाद एख अन्य पत्र में भी उन्होंने एप में खामियों का जिक्र किया।

मशोरी ने अपने पत्र में कहा है कि मतदान अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियों के बारे में डाटा ईएमएस पर अपलोड किया गया। जो बाद में गायब हो गया। ऐप्प की इस कमजोरी से कई खामियां सामने आती हैं। सॉफ्टवेयर की विश्वसनीयता और वैधता पर भी सवाल उठते हैं। अधिकारी ने इस ओर इशारा किया कि यह ऐप्प या तो पूरी तरह से विफल रही है या इसे किसी के हाथ से नियंत्रित किया जा रहा है।

खबर में सूत्रों के हवाले से पुष्टि की गई कि खासखेली ने लरकाना जिला निर्वाचन अधिकारी (डीआरओ) को भी ऐसा ही पत्र लिखा था। ईसीपी ने सभी चार प्रांतीय आयुक्तों को 26 जनवरी को पत्र भेजा था और उन्हें ईएमएस एप का डेमो अभ्यास करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के चुनव प्रकोष्ठ के प्रभारी ताज हैदर ने भी 29 जनवरी को ईसीपी को पत्र लिखा। इसमें उन्होंने ईएमएस एप को लेकर चिंता जताई।

## कनाडा में भारतीय मूल के व्यक्ति पर मंदिर से पैसे चुराने का आरोप,सिंगापुर में भारतवंशी को सम्मान

**ओटावा,06 फरवरी 2024।** कनाडा के पील क्षेत्र में भारतीय मूल के 41 साल के जगदीश पंढेर पर मंदिरों में तोड़फोड़ और दान पात्र से पैसे चुराने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पील पुलिस ने ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र में अन्य पुलिस विभागों के सहयोग से घटनाओं की जांच की और संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। पील क्षेत्रीय पुलिस ने कहा कि पिछले साल मार्च और अगस्त माह के बीच अधिकारियों ने मंदिरों में तीन बार हुई चौरी की जांच की। साथ ही मंदिर में लगे कैमरों की मदद से दान पात्र से पैसे निकालते हुए एक चोर की तस्वीरें कैद की। जांचकर्ताओं के मुताबिक, यह अपराध पूजा स्थलों से नकदी चुराने की मंशा से किए गए हैं, न कि नफरत से प्रेरित था।

सिंगापुर के एयरपोर्ट पर मदद करने पर भारतवंशी को सम्मान

सिंगापुर के चांगी एयरपोर्ट के वार्षिक एयरपोर्ट समारोह में सर्विस पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर पुरस्कार से भारतीय मूल के एक विमानन सुरक्षा अधिकारी हरेश चंद्रन को सम्मानित किया गया है। उन्होंने एयरपोर्ट पर जर्मनी के 87 साल के यात्री की सहायता की थी, जब अचानक एयरपोर्ट पर बेहोश होकर गिर गया था,जिसके कारण व्यक्ति को कई अंदरूनी गंभीर चोटें आई थी। इस दौरान यात्री के लिए चिकित्सा देखभाल को सुनिश्चित किया गया था। गौरतलब है कि अस्पताल में भर्ती के दौरान भी सुरक्षा अधिकारी उस व्यक्ति के संपर्क में था,जो एयरपोर्ट पर अचानक गिर गया था। गौरतलब है कि समारोह में असाधारण सेवाएं देने के लिए चंद्रन और चांगी हवाई अड्डे पर काम करने वाले 35 अन्य कर्मचारियों की सराहना की गई।

**हमें दूसरों की हमेशा मदद करनी चाहिए :हरेश चंद्रन**

हरेश चंद्रन ने घटना की जानकारी एयरपोर्ट प्रशासन को दी और तुरंत एम्बुलेंस की व्यवस्था की। इस दौरान व्यक्ति जर्मनी जा रहा था। हादसे के कारण उनकी फ्लाइट छूट गई थी। हरेन चंद्रन ने अधिकारी से बात कर उनकी वापसी उड़ान को दोबारा बुक करने की फीस माफ करवा दी थी। एक साक्षात्कार में हरेश चंद्रन ने कहा कि यह कोई भी और कही भी हो सकता है। हमें दूसरों की मदद करनी चाहिए। मुझे पता है आदमी जब असहज होता है तो उसको कितनी कठिनाई होती है। आपको खुद पर विश्वास करना होगा।

## निक्की हेली ने सीक्रेट सर्विस से की सुरक्षा की मांगी,चुनाव प्रचार में मिल रही धमकियों को लेकर जताई चिंता

**वाशिंगटन,06 फरवरी 2024।** अमेरिका में इस साल नवंबर माह में आम चुनाव है। इसी बीच, रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने की होड़ में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने एकमात्र प्रतिद्वंदी निक्की हेली हैं। वहीं एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि निक्की हेली ने उनको मिल रही धमकियों के बीच अमेरिकी सीक्रेट सर्विस से सुरक्षा की मांगी है।

एक चुनावी अभियान में हेली ने कहा कि मैंने सुरक्षा की मांग की है,क्योंकि मुझे लगातार धमकियां मिल रही हैं। गौरतलब है कि भारतवंशी निक्की हेली ने यह नहीं बताया कि आखिर उन्होंने सुरक्षा के लिए कब आवेदन किया था। बता दें सीक्रेट सर्विस होमलैंड सिक्योरिटी के सचिव द्वारा अधिकृत होने के बाद ही सुरक्षा प्रदान करती है।

### धमकियां मुझे रोक नहीं सकती हैं:निक्की हेली

दक्षिण कैरोलिना में निक्की हेली के घर पर हाल के महीनों में मारपीट की घटनाएं हुई थी,जिस वक्त उनके माता-पिता घर पर मौजूद थे। वर्तमान में निक्की हेली चुनाव प्रचार के दौरान निजी सुरक्षा का इस्तेमाल करती है, हालांकि चुनाव से जुड़े उनके आयोजनों में स्थानीय पुलिस मौजूद रहती हैं।

निक्की हेली में उनके कार्यक्रमों में कड़ी सुरक्षा से जुड़े विषय पर पूछा गया था। उस दौरान उन्होंने कहा कि जब आप कुछ बड़ा करते हैं, तो ऐसी धमकियां मिलना आम बात है। लेकिन ये धमकियां मुझे रोक नहीं सकती हैं।

### डोनाल्ड ट्रंप ने निक्की से चुनाव से हटने की अपील की थी

गौरतलब है कि निक्की हेली ओपिनियन पोल में अपने पार्टी प्रतिद्वंदी डोनाल्ड ट्रंप से पिछड़ रही है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनसे कहा था कि वह राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने की दौड़ से बाहर हो जाएं और बाइडन के खिलाफ पार्टी को एकजुट करें। बता दें संघीय कानून के तहत प्रमुख उम्मीदवारों को गुप्त सेवा सुरक्षा दी जाती हैं। आमतौर पर जब वे अपनी पार्टी के उम्मीदवार बनने के लिए निश्चित होते हैं। मई 2007 में तत्कालीन सीनेटर बराक ओबामा को उनके खिलाफ खतरों की बढ़ती संख्या को देखते हुए एक कांग्रेस समिति की सिफारिश के बाद सुरक्षा दी गई थी।

# कलेक्टर ने बच्चों से किया वादा निभाया,सुबह ही पहुंचे घंघरी में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय

» कक्षा में पहुंचकर बच्चों से बात कर सुविधाओं के संबंध में लिया फीडबैक

– संवाददाता –

**अंबिकापुर,06 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।** कलेक्टर विलास भोस्कर मंगलवार को ग्राम घंघरी में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय निरीक्षण पर पहुंचे। इससे पूर्व कलेक्टर ने स्कूली बच्चों से वादा किया था कि वे बच्चों से जल्द विद्यालय में मुलाकात करेंगे, जिसे उन्होंने निभाया और सुबह-सुबह निरीक्षण पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री भोस्कर ने विद्यालय में आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया। सबसे पहले बच्चों के आवसीय व्यवस्था का निरीक्षण करने शयनकक्ष पहुंचे, उन्होंने यहां पर्याप्त मात्रा में बेड, बेडशीट,कम्बल आदि की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने शौचालयों की नियमित सफाई के साथ पूरे परिसर की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने निर्देशित किया। उन्होंने किचन में जाकर भोजन की गुणवत्ता का अवलोकन करते हुए भंडारगृह में राशन की उपलब्धता की जानकारी ली और कहा कि भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें तथा पर्याप्त मात्रा में बच्चों के लिए राशन उपलब्ध हो।

कलेक्टर श्री भोस्कर ने अध्ययन कक्षों का जायजा लिया तथा वहां बच्चों से सुविधाओं के सम्बंध में फीडबैक लिया। उन्होंने सर्वप्रथम बच्चों से पढ़ाई से जुड़े सवाल किए। उन्होंने विद्युत व्यवस्था, भोजन तथा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता की जानकारी छात्र-छात्राओं से ली, जिसपर बच्चों ने संतुष्टि जताई।

ग्राम क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल की समस्या संज्ञान में आने पर तत्काल बोरवेल की व्यवस्था किए जाने तथा फ्लोराइड युक्त पानी हेतु फिल्टर प्लांट लगाए जाने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि सभी सुविधाओं को क्रमबद्ध तरीके से व्यवस्थित कर दिया जाएगा। उन्होंने बच्चों को बताया कि आगामी जून माह से विद्यालय नवनिर्मित सर्वसुविधायुक्त एकलव्य आवासीय विद्यालय भवन पेटला में शिफ्ट कर लिया जाएगा, जिससे समस्याएं दूर होंगी। उन्होंने इस दौरान बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें, अभी से परीक्षा की तैयारी में लग जाएं और किसी प्रकार की समस्या होने पर शिक्षकों से सलाह लें। कलेक्टर श्री भोस्कर ने इस दौरान विद्यालय में स्टाफ नर्सों से मेडिकल सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली तथा नियमित रूप से आवश्यक जांच जैसे सिकलिन, टीबी, ब्लड टेस्ट आदि किए जाने निर्देशित किया। उन्होंने आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता की भी जांच की तथा दस्तावेजों का अवलोकन किया।

CMYK

# क्या कांग्रेस सरकार की तर्ज पर भाजपा सरकार में भी होगी

# राइस मिल संचालकों से अवैध वसूली ?

**कांग्रेस की सरकार के दौरान अविभाजित कोरिया के दो दलालों ने खूब की थी राइस मिल संचालकों से वसूली...**

**दोनों दलाल एक बार फिर हो रहे सक्रिय भाजपा की नई सरकार को बदनाम करने व वसूली का एजेंडा तैयार करने की जुगत में....**

**क्या मुख्यमंत्री और मंत्री के साथ सोशल मीडिया में फोटो डालकर करीबी बता बनाएंगे दबदबा दोनो दलाल ?**

**दोनो दलाल का दोनों जिले में है हस्तक्षेप...दोनों स्वयं राइस मिल संचालक,जिले के लगभग राइस मिलर भाजपा समर्थक फिर उनसे अवैध उगाही के लिए दोनो दलालों को कौन दे रहा है संरक्षण ?**

**कांग्रेस शासन में 1 रुपए किलो खर्चा देना होता था इस शासन में 1 रुपए किलो तो देना ही है भुगतान के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त देना पड़ेगाःसूत्र**

**जिले में पदस्थ डीएमओ की की भूमिका पुरे मामले में संदिग्ध दोनों दलाल से है घिरे हुए हैं डीएमओ**

-रवि सिंह-
कोरिया/एमसीबी,06 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में राइस मिलिंग मामले में बहुत खेल देखा गया था पर मामला पूरी तरीके से दबा रहा, यह बात अब खुलकर सामने आने लगी है जब सरकार बदल गई है इस मामले में कोरिया व एमसीबी जिले के दो दलालों की सक्रियता सामने आ रही है, अब ऐसे में सवाल यह उठता है क्या पूर्ववर्ती सरकार की तरह इस सरकार में भी राइस मिलिंग के भुगतान में भ्रष्टाचार चलता रहेगा या फिर सब कुछ नियम के तहत होगा? एमसीबी व कोरिया के दो दलाल जिनका चावल मिलिंग वाला नहीं सोसाइटी से मार्केट में बिकने वाला पहुंचता है वह भी बिना भी क्वालिटी परीक्षण के, पर वही दूसरे राइस मिलर के लिए पूरे नियमों का पालन अधिकारी करवाते हैं आखिर इन दोनों दलालों में ऐसा क्या है? जिसके लिए अधिकारियों के पास कोई नियम कानून नहीं है? इन दोनों दलालों के करतूत को लेकर एक बार बैकुंठपुर में उनकी गाड़ियों के साथ तोड़फोड़ भी कुछ राइस मिलर संचालकों द्वारा कर दिया गया था, क्योंकि इनकी वजह से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। यह घटना काफी पुरानी नहीं है पर 2 साल पुरानी बताई जा रही है। धान खरीदी से लेकर मिलिंग तक में कितना बड़ा खेल या कहे तो सिंडिकेट चल रहा है यह किसी से छुपा नहीं है। इससे सरकार को काफी नुकसान हो रहा है फिर भी इस पर रोक लगा पाने में मौजूदा शासन नाकाम दिख रही है। बोरा से लेकर राइस मिलिंग तक में जमकर भ्रष्टाचार है पर यह बात इसलिए दब जाती है क्योंकि यह आम आदमी से दूर की बात है सिर्फ इसमें राइस मिल संचालक व अधिकारियों का सिंडिकेट चल रहा है पर संरक्षण मंत्रियों का होता है ऐसा सूत्रों का कहना है।

### राइस मिलरों की समस्याएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं...

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कोरिया और एमसीबी जिले के राइस मिल व्यवसाईयों की समस्याएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं एक तरफ जिला प्रशासन का दबाव है कि अधिक से अधिक धान का उठाव कर उसकी मीलिग कर गोदामों तक पहुंचाया जाए, ताकि इस वर्ष का उत्पादन सुरक्षित हो सके लेकिन बिचौलियों और दलालों ने उस पूरे सिस्टम को बर्बाद कर डाला है एक तरफ चुनाव के पूर्व ये उम्मीद की जा रही थी कि कांग्रेस शासन में खूब भ्रष्टाचार है भाजपा सरकार आएगी भ्रष्टाचार कम होगा थोड़ी राहत मिलेगी लेकिन सभी व्यापारियों के मनसा के विपरीत भ्रष्टाचार कम होने के बजाय बढ़ता दिख रहा है एक रुपए किलो की राशि तो इन दलालों को देनी ही पड़ेगी उसके अतिरिक्त पुराने भुगतान प्राप्त करने के लिए 10 प्रतिशत और राशि दिए जाने की मांग की जा रही है नहीं दिए जाने पर पैसा डूब जाएगा ऐसी धमकी दी जा रही है समय रहते ही शासन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दिया तो बिचौलियों और दलालों के विरुद्ध पूरा राइस मिल संगठन आंदोलन के लिए बाध्य हो जाएगा और धान परिवहन एवं मिलिंग पूरी तरह से बंद कर दी जाएगी इस बात की प्रबल संभावना दिख रही है।

### दो जिले के प्रभार वाले डीएमओ की भूमिका संदिग्ध

दोनों जिलों में पदस्थ डीएमओ की स्थिति संदिग्ध है वे बीते दिवस चावल परिवहन का पैसा मार्क फेड से वर्ष खरीफ वर्ष 21-22 का करोड़ों में आया था मात्र तीन लोगों को यह पैसा दे दिया गया यह कहां का न्याय है आखिर सरकार की जिम्मेदार कुर्सी पर बैठे लोग ऐसा कृत्य कैसे कर सकते हैं वहां पर बैठने के बाद तो सभी को एक नजर से और सभी का भुगतान एक बराबर किया जाना चाहिए था आखिर किसके इशारे पर इन लोगों ने मात्र तीन राइस मिल संचालकों को पूरा भुगतान कर दिया और बाकी फाइलों में कमी बताकर उन्हें आज तक रायपुर कार्यालय में भेजा नहीं गया राइस मिल संचालकों के अनुसार उन्होंने सभी फाइलें महीना पूर्व कंप्लीट करके मार्क फेड के दफ्तर में जमा कर दिए हैं लेकिन उन फाइलों को ना भेज कर अब उनमें कुछ पेपर कम होने की कमी बताकर जानबूझकर उन्हें परेशान कर और इन दलालों की फाइलों को पूरा भुगतान कर दिया गया है इनका ऐसा कृत्य यह दर्शाता है कि मार्कफेड के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी भी पूरी तरह से उनकी गुलामी कर रहे हैं और जमकर भ्रष्टाचार मचा के रखे हैं बताया यह भी जाता है कि यह सभी अधिकारी और कर्मचारी खास कर्मचारी बारी बारी इनके साथ इनके राइस मिलों में रात गुजारते हैं और शहडोल सहित रायपुर से इनके लिए इनके मांग के अनुरूप व्यवस्थाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं विभाग के कई भ्रष्ट अधिकारी अय्याशी के लिए इनके फार्म हाउस और राइस मिलों में रात हसीन करने लगातार पहुंच रहे हैं जिसका वीडियो भी जल्द ही बाजार में उपलब्ध होने की संभावना बताई जाती है खबर तो यहां तक आ रही है कि इन दलालों ने पूर्व के एक डीएमओ को हनी ट्रैप करा चुके हैं वह अधिकारी भी इनके ऐश गाह में रात दिन ही वही पड़ा रहता था जिसका इन्होंने पूरे 5 साल खूब फायदा उठाया है चुनाव के पूर्व उसका स्थानांतरण हो गया है उसके बाद यह नए डीएमओ को अपने चुंगल में इस तरह फंसा लिए हैं और फिर से मनमानी करना प्रारंभ कर दिए हैं डीएमओ रात में इनकी डब्लूबीएम कार में लगातार घूम कर ऐश कर रहे हैं।

### जो उनकी बात नहीं मानते उनकी फाइल घूमती रह जाती है

एक राइस मिल संचालक जिसकी मिल नेशनल हाईवे में रेलवे फाटक के पास है वह पिता पुत्रों ने इन्हें काला धन देने से मना कर दिया था इन दोनों दलालों ने कहा कोई बात नहीं मत दीजिए हम कहां मांग रहे हैं उसके बाद जो घटना घटी बड़ी भयानक थी इन्होंने जो पहले मार्क फेड सहित अन्य कार्यालय में दी थी फाइल गोल होने लग गई फाइलें दर-दर भटकती रही फाइलों पर रोज नई-नई कमी बताई जाने लग गई फाइलों में जो पेपर लगे थे वह पेपर गोल होने लग गए अधिकारी उन पर उल्टा रिकवरी की बात करने लग गए कहने वालों की कलेक्टर साहब आप से बड़ा नाराज हैं आपके राइस मिल में कभी भी छापा पड़ सकता है, आपके सभी पेपरों की जांच होगी आपके पेपर लगभग फर्जी हैं उसके राइस मिल में जांच के बहाने अधिकारी पहुंचने लगे करोड़ों रुपया जुर्माने की बात कही जाने लगी उसके चावल के सिंपल फेल किए जाने लगे चावल में कमी बताई जाने लगी इन सभी अप्रत्याशित घटनाओं से दोनों पिता पुत्र काफी परेशान हो गए उन्होंने देखा कि वे इन दोनों दलालों को भुगतान न करके बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं हार मान कर इन सभी उपरोक्त लिखित आफतों से बचने के लिए फिर इन दलालों के शरण में जा पहुंचे, दलालों ने पहले उनको खूब धमकाया और मंत्री जी सहित प्रदेश के बड़े अफसरो का हवाला देकर संगठन से बाहर नहीं जाने की धमकी दी वरना गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहने को भी कहा और संगठन में बने रहने के फायदे गिनाए तब जाकर इनको मिलने वाले काले धन का भुगतान लिया...तो उसके बचे भुगतान को इन दलालो ने करवा दिया इस तरह का आतंक इनका इस पूरे क्षेत्र में व्याप्त है।

### दो दलालों की ब्लैकमेलिंग राइस मिलों पर भारी

मिल रही जानकारी के अनुसार मनेद्रगढ़ के दो राइस मिल व्यापारी जो जबरदस्ती सभी राइस मिलरो से उनकी राइस मिल और कागजों में कमी बताकर अधिकारियों से जांच और कार्यवाही की धमकी देकर पिछले 5 साल से दोनों जिले के व्यापारियों से लगभग 20 करोड रुपए की ब्लैकमेलिंग और उगाही कर चुके हैं वे इस बार नई सरकार आते ही अपना टारगेट और बढ़ा रहे हैं अब इनका कहना यह है कि 1 किलो आपको देना ही पड़ेगा उसके अतिरिक्त यदि आपको पिछला भुगतान लेना है तो जितनी भी राशि है उसका 10 प्रतिशत अभी दे दो तो भुगतान हो जाएगा वरना कांग्रेस शासन काल का मामला है वैसे भी नई सरकार वह भुगतान करने के मूड में नहीं है, ऐसा करके वे सभी राइस मिल संचालकों के लिए नई मुसीबत खड़ी कर दी है बेचारा चावल व्यापारी अब अपने आप को ठगा महसूस करने लग गया है, कई मील संचालक तो मिल बंद करने की बात कर रहे हैं तो कई यह सोच रहे हैं कि आखिर हमने इस व्यवसाय को क्यों चुना कुछ तो अपने राइस मिल को बेचकर नए व्यवसाय करने का मन बना रहे हैं इन दलालों ने अपना वज्र साम्राज्य स्थापित करने के लिए दूसरे राइस मिलों को जानबूझकर परेशान करने का नया-नया तरीका ईजाद कर इन से फिर से करोड़ों रुपए उगाही करने की तरकीब ढूंढ निकाली है जिससे सभी राइस मिल संचालक परेशान हो चले हैं।

## पटना पहुंचे संत गुरू आचार्य प्रशमेश प्रभशुरी श्रवर जी महाराज, श्रद्धालू ने लिया उनका आशीर्वाद

-संवाददाता-
कोरिया/ पटना,06 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

संत गुरू आचार्य श्री प्रशमेश प्रभशुरी श्रवर जी महाराज का पहली बार हुआ नगर आगमन व प्रवचन। उन्होंने संदेश देते हुए कहा कि जीयो और जीने दो। मुंबई से आचार्य सम्मेद शिखर जी महा तीर्थ (झारखंड) से 2 संत गुरु भगवंत और 21 साध्वी जी भगवंत ग्राम पंचायत टेंगनी के सामुदायिक भवन में उपस्थित जनों को जीयो और जीने दो का संदेश देते हुए कहा कि भगवान महावीर के प्रारम्भिक तीस वर्ष राजसी वैभव और विलास के दलदल में कमल के समान रहे। उसके बाद बारह वर्ष घनघोर जंगल में मंगल साधना और आत्म जागृति की आराधना में वे इतने लीन हो गए कि उनके शरीर के कपड़े गिरकर अलग होते गए। भगवान महावीर की बारह वर्ष की मौन तपस्या के बाद उन्हें केवल ज्ञान प्राप्त हुआ। केवल ज्ञान प्राप्त होने के बाद तीस वर्ष तक महावीर ने जनकल्याण हेतु चार तीर्थों साधु - साध्वी , श्रावक-श्राविका की रचना की। इन सर्वोदय तीर्थों में क्षेत्र ,काल, समय या जाति की सीमाएं नहीं थीं। भगवान महावीर का आत्म धर्म जगत की प्रत्येक आत्मा के लिए समान था। उनका कहना था कि हम दूसरों के प्रति भी वही व्यवहार व विचार रखें जो हमें स्वयं को पसंद हों। यही उनका जीयो और जीने दो का सिद्धांत है । उन्होंने न केवल इस जगत को मुक्ति का सन्देश दिया, अपितु मुक्ति की सरल और सच्ची राह भी बताई । आत्मिक और शाश्वत सुख की प्राप्ति हेतु सत्य,अहिंसा,अपरिग्रह ,अचौर्य और ब्रह्मचर्य जैसे पांच मूलभूत सिद्धांत भी बताए । इन्हीं सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारकर महावीर जिन कहलाए । जिन से ही जैन बना है अर्थात जो काम,तृष्णा ,इन्द्रिय व भेद जयी है वही जैन है। भगवान महावीर ने अपनी इन्द्रियों को जीत लिया और जितेंद्र कहलाए। उन्होंने शरीर को कष्ट देने को ही हिंसा नही माना बल्कि मन , वचन व कर्म से भी किसी को आहत करना उनकी दृष्टि से हिंसा ही है ।क्षमा के बारे में भगवान महावीर कहते हैं- मैं सब जीवों से क्षमा चाहता हूँ। जगत के सभी जीवों के प्रति मेरा मैत्रीभाव है। मेरा किसी से वैर नहीं है। मैं सच्चे हृदय से धर्म में स्थिर हुआ हूँ। सब जीवों से मैं सारे अपराधों की क्षमा माँगता हूँ। सब जीवों ने मेरे प्रति जो अपराध किए हैं, उन्हें मैं क्षमा करता हूं। विहार मे बैकुंठपुर चर्चा पटना एवं सूरजपुर के धर्मर्थी रास्ते की सेवा कर रहे हैं महेंद्र बैद,जगत जैन,दिव्य जैन,सुनील जैन,आशीष बैद,मनोज छजेर,राकेश,धर्मचंद,सूरजपुर से श्रीपाल दोषी,श्रवण जैन,जीतू डागा, जेठू डागा, पटना से गोपाल शर्मा,रामनारायण कुशवाहा, प्रदीप जैन, सुनील जैन, अनिल जैन, मनेंद्रगढ़ से सुंदर लाल दुग्गड़, गणेशमल दुग्गड़ सहित तेरापंथ बैकुन्ठपुर, सुरजपुर व पटना से बिमला जैन, कांता जैन, पिंकी जैन, इन्दु जैन सहित अन्य महिलाओं ने अपनी सेवाऐं दी व आचार्य जी का आशिर्वाद प्राप्त किया।

# देश में चायवाला प्रधानमंत्री,क्या फिर कोई

# चायवाला बन सकता है अगला सांसद ?

**कोरिया जिले के छोटे से होटल संचालक की भी लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी,भाजपा से कर रहे हैं तैयारी**

**क्या कोरबा लोकसभा से होटल संचालक रेवा यादव होंगे प्रत्याशी,क्या भाजपा देगी उन्हे मौका ?**

-रवि सिंह-
कोरिया,06 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।

देश के प्रधानमंत्री को कई बार यह कहकर भी संबोधित कर दिया जाता है की प्रधानमंत्री चायवाले हैं। ऐसा उनके लिए इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने अपनी कहानी बताते हुए कभी बताया था की उनका बचपन चाय की दुकान पर भी बीता है और वह अपने पिता के साथ कभी चाय भी बेचा करते थे। अब एक और चायवाले की बात राजनीति में सुनने को मिल रही है जो चाय तो बेचते ही हैं वहीं उसके साथ वह खाने पीने की अन्य सामग्री भी बनाते बेचते हैं होटल संचालक हैं और अब वह भाजपा से कोरबा लोकसभा से उम्मीदवार बनना चाहते हैं। यह कहानी उस छोटे से होटल संचालक की है जो शुरू से ही भाजपाई हैं साथ ही वह संघ में भी सक्रिय हैं और लगातार वह दोनो जगहों के कार्यक्रमों में उपस्थित हो रहे हैं। यह छोटा सा होटल कोरिया जिले के बैकुंठपुर शहर के नजदीक जिला न्यायालय के सामने स्थित है जिसके संचालक रेवा यादव अपने लिए लोकसभा की टिकट भाजपा से मांग रहे हैं।

रेवा यादव का नाम वैसे कोरिया जिले की राजनीति में कोई नया नाम नहीं है लेकिन उनका लोकसभा के लिए भाजपा से उम्मीदवार बनने का सपना अब एक बड़ा सवाल खड़ा करती है की क्या भाजपा कोरबा लोकसभा से किसी होटल संचालक चाय वाले को मौका देगी क्या वह एक नया उदाहरण प्रस्तुत करेगी। वैसे भाजपा जिस तरह नया नया प्रयोग राजनीति में करती है कोई बड़ी बात नहीं है की वह रेवा यादव को उम्मीदवार बना दे और फिर एक चायवाला एक छोटे से होटल का संचालक देश की संसद तक पहुंच जाए। वैसे कोरबा लोकसभा सीट से अभी तक भाजपा की तरफ से कई नाम उम्मीदवार दावेदार बतौर सामने आ चुके हैं कई दावेदार तो लगातार पूरे लोकसभा क्षेत्र में दौरा भी कर रहे हैं बैनर पोस्टर भी लगवा रहे हैं लेकिन अभी भाजपा ने किसी को स्पष्ट नहीं किया है तय नहीं किया है की कौन भाजपा का घोषित प्रत्याशी होगा। रेवा यादव भी एक दावेदार हैं उन्हीं में से जो अभी पूरे क्षेत्र का दौरा तो नहीं कर रहे हैं लेकिन वह अपनी तैयारी अपनी मंशा सामने ला रहे हैं और चुनाव लड़ने की इक्षा जता रहे हैं।

### राष्ट्रवादी छवि,हिंदुत्व के ध्वजवाहक साथ ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सक्रिय स्वयं सेवक हैं रेवा यादव

रेवा यादव की छवि राष्ट्रवादी है,वह हिंदुत्व के ध्वजवाहक भी हैं वहीं वह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सक्रिय स्वयं सेवक हैं। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सभी बैठकों में पहुंचना संघ की रीति नीति से लगातार अवगत होकर अन्य को अवगत कराना,धार्मिक आयोजनों में बढ़चढकर भाग लेना वहीं राष्ट्रवाद के मामलों में मुखरता से तटस्थ रहकर पक्ष रखना यह रेवा यादव की पूरी पहचान है। क्षेत्र में उन्हें लोग योगी भी कहते हैं और उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री की तरह योगी स्वरूप में एक जन सेवक मानते हैं।

### दिनभर जनसेवा में रहते हैं तत्पर,हर जरूरतमंद की करते हैं मदद

रेवा यादव दिनभर जनसेवा में भी तत्पर रहते हैं। अपने होटल व्यवसाय के अलावा वह जनसेवा का भी कार्य करते हैं। लोग अपनी समस्या लेकर उनके पास जाते हैं तो वह भरसक प्रयास करते हैं की वह निराकरण कर सकें। समस्या ग्रस्त के लिए उन्हे जाकर भी कहीं निदान की जरूरत पड़ती है वह जाते हैं। कुल मिलाकर वह जनसेवा क्षेत्र में काफी सक्रिय रहकर लोगों की मदद करते हैं और अपने होटल व्यवसाय के साथ सामंजस्य बनाकर लोगों की मदद करते हैं।

### कोरबा लोकसभा से भाजपा के लिए सबसे सरल एवम मिलनसार प्रत्याशी साबित हो सकते हैं रेवा यादव

रेवा यादव काफी सरल व्यक्तित्व के धनी हैं उनका व्यवहार मिलनसार एवम सहयोगी प्रवृत्ति का है। भाजपा के लिए लोकसभा चुनाव में रेवा यादव कोरबा लोकसभा सीट से इस हिसाब से भी बेहतर प्रत्याशी साबित हो सकते हैं। लोगों से सरलता सहजता से मिलना,लोगों की मदद के लिए तत्पर रहना उनकी खासियत है ऐसे में वह पूरे लोकसभा क्षेत्र के लोगों के लिए बेहतर साबित होंगे क्योंकि लोग उनसे मिलने से परहेज नहीं करेंगें,जब मन जब जरूरत उन तक पहुंचकर अपनी बात रखकर निदान की मांग करेंगे। कुल मिलाकर उनका व्यक्तित्व भी भाजपा के लिए लोकसभा चुनाव में फायदेमंद साबित होगा और चुनाव में मतदाताओं को आकर्षित करेगा।

### सामान्य परिवार से आने वाले रेवा यादव हैं युवा चेहरा,लोकसभा क्षेत्र की पूरा ध्यान रखने में भी उनकी ऊर्जा का हो सकेगा इस्तेमाल

रेवा यादव बेहद सामान्य परिवार से आते हैं,कृषक परिवार से आने वाले रेवा यादव ने कुछ वर्षों पहले गौ पालन का विचार मन में लाया और बाद में उन्होंने छोटे से होटल का भी संचालन शुरू किया जिसमे गौ पालन फलस्वरूप उत्पादित दूध का वह उपयोग करने लगे।चाय कॉफी सहित पनीर मावा वह गौ पालन के माध्यम से बेचकर अपने परिवार के लिए अर्थ जुटाने लगे फिर उन्होंने नाश्ते की भी सुविधा होटल में शुरू की जो चल निकला। वह युवा चेहरा हैं काफी ऊर्जावान भी हैं,लोकसभा क्षेत्र कोरबा का काफी बड़ा है और आज तक निर्वाचित कोई सांसद पूरे क्षेत्र में नही पहुंच पाया और युवा होने के नाते ऊर्जावान होने के नाते वह पहुंच सकते हैं क्षेत्र की समस्या से अवगत हो सकते हैं ऐसा कहा जा सकता है। भाजपा के लिए कोरबा लोकसभा सीट से रेवा यादव ही अब के सभी दावेदारों में से उपयुक्त चेहरा हैं ऐसा इसलिए भी कहा जा सकता है की क्षेत्र की अधिकांश आबादी ग्रामीण आबादी है और रेवा यादव खुद एक कृषक परिवार से आते हैं जो जनता की उनको लेकर स्वीकार्यता के लिए कारगर होगा।

## प्रदेश की 11 सीटों पर खिलेगा कमलः रामचरित

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,06 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।

सभी कार्यकर्ताओं ने संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में कठोर परिश्रम किया हैं जिसके फलस्वरुप प्रदेश में फिर से भाजपा की सरकार बनी है। भाजपा कार्यकर्ता जो ठान लेते हैं उसे पूरा अवश्य करते हैं और सभी ने भी अपने कर्तव्यों का अच्छे से निर्वहन किए हैं। उन्होंने कहा कि आगे प्रधानमंत्री मोदी जी का चुनाव है और इस चुनाव में हमें और ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है। प्रदेश की सभी 11 लोकसभा सीटों में भाजपा की जीत के लिए हम सभी को तैयार रहने की जरूरत है। उक्ताशय का बयान जारी करते हुये पूर्व मंडल महामंत्री भाजपा नेता रामचरित द्विवेदी ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीटों में कमल खिलाकर केंद्र में मोदी जी के नेतृत्व वाली मजबूत सरकार बनाने में हम सभी को अपना सहयोग देना होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा जो जिम्मेदारी हम सभी को दी गई है उन जिम्मेदारियां को पूरा करना हम सभी का दायित्व है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी की रीति से जोड़े। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा जो भी जिम्मेदारी कार्यकर्त्ताओं को दी जाती है उसे पूरी ईमानदारी से पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में लगातार युवा भाजपा में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा प्रवेश करने वाले कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए मिलकर काम करने एवं भाजपा की आगामी कार्य योजना को बूथ तक ले जाने का आग्रह किया । आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी हेतु सभी की सहभागिता अनिवार्य है लोगों तक पहुंच कर हमें केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को जनता को मिले इसके लिए भी हमें जन जन तक पहुंचना है।

CMYK

# कब तक चलता रहेगा कोरिया जिले का स्वास्थ्य विभाग

## प्रभारी सीएमएचओ और प्रभारी डीपीएम के भरोसे?

**सीएमएचओ पद पर नहीं हो रहा प्रमोशन...क्या जिसे चाहो उसे बनाओं प्रभारी सीएमएचओ?**

**कोरिया में ना तो फुल फ्लैश सीएमएचओ और ना ही फुल फ्लैश डीपीएम...जो फुल फ्लैश है उसे प्रभार नहीं मिल रहा...पर प्रभारी सीएमएचओ व डीपीएम का रुतबा बरकरार**

**क्या प्रभारी सीएमएचओ का प्रभारी डीपीएम बिलकुल खास हैं या करीबी रिश्तेदार हैं जिस वजह से उसे पद से नहीं हटा पा रहे हैं सीएमएचओ?**

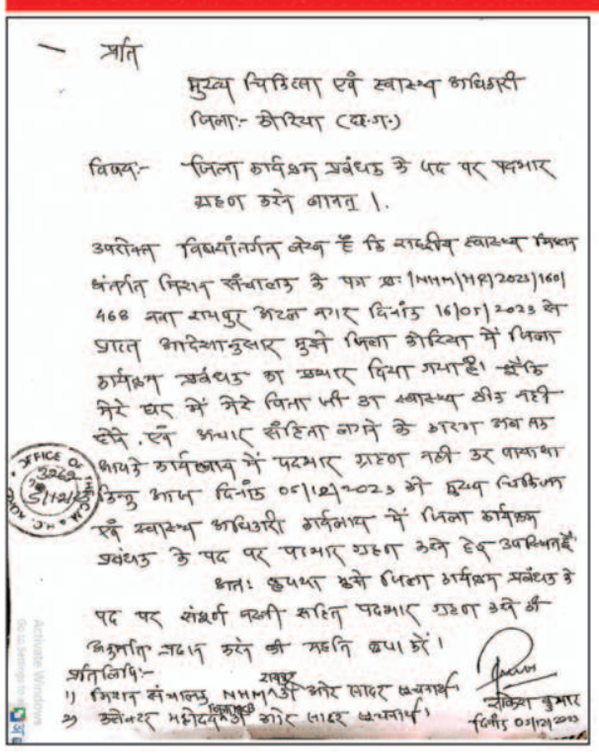

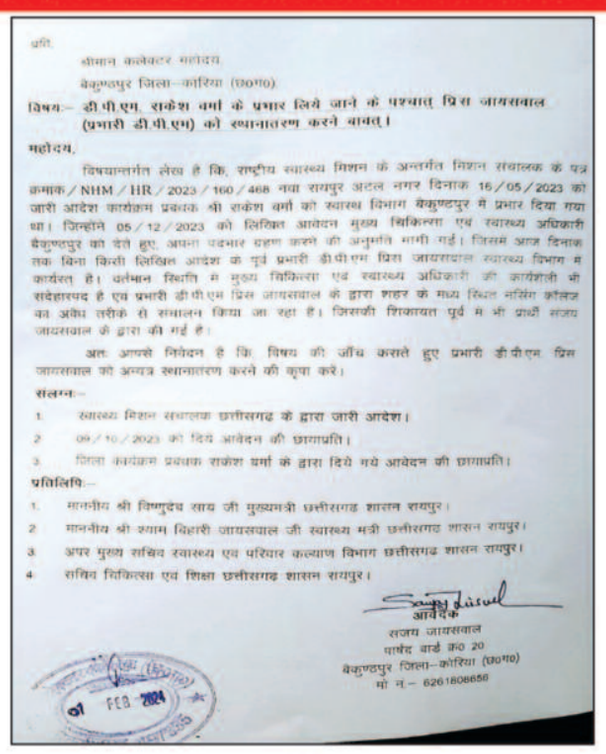

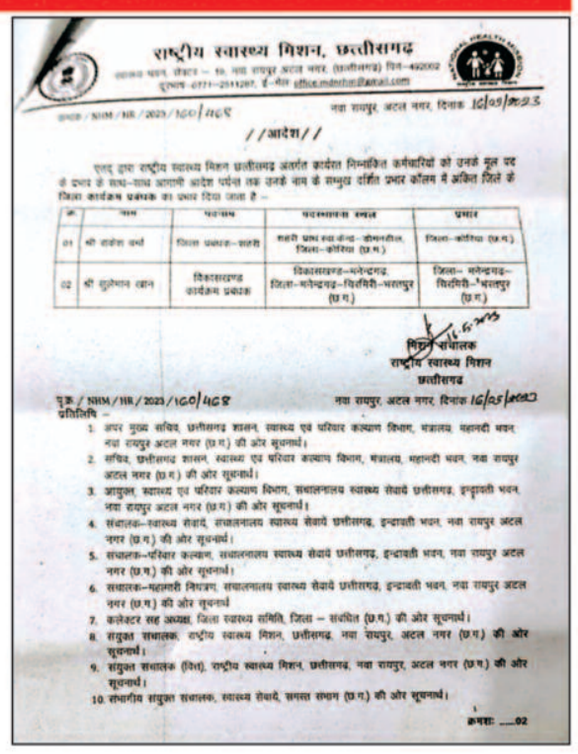







-रवि सिंह-
कोरिया,06 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य विभाग अपंग साबित हो रहा है इसकी वजह यह है कि छत्तीसगढ़ में लगभग जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रभारी हैं क्योंकि छत्तीसगढ़ में लंबे समय से सीएमएचओ पद के लिए प्रमोशन नहीं हुआ है यही वजह है कि जिसे पा रहे उसे प्रभारी सीएमएचओ बनाकर स्वास्थ्य विभाग को अपंग बना रहे हैं और मनमाना राज चल रहा है। प्रभारी बनकर भी सीएमएचओ सिर्फ अंधाधुन खरीदी व भ्रष्टाचार मचा रहे हैं उन्हें बिल्कुल भी भय नहीं है सरकार का किसी जांच करेगी तो वह जेल भी जा सकते है, कुछ यही हाल कोरिया जिले के डीपीएम का भी है यह भी प्रभारी डीपीएम है पर अपने आप को




परमानेंट डीपीएम से कम नहीं समझते। काम तो ऐसा करते हैं जैसे लग रहा है कि प्रभारी डीपीएम नहीं फुल फ्लैश डीपीएम है, प्रभारी डीपीएम के रुतबे को देख ले तो समझा जा सकता है कि स्वास्थ्य विभाग की स्थिति क्या है? जब की परमानेंट डीपीएम आकर बैठे है पर प्रभार नहीं मिल रहा, कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी डीपीएम पर कांग्रेस शासन से जिला प्रशासन मेहरबान है, कांग्रेस शासन में ही उन्हें प्रभार डीपीएम से हटा कर नए डीपीएम की नियुक्ति भी की गई, परन्तु जब भाजपा की सरकार आई और नए डीपीएम अपना प्रभार लेने पहुंचे तो सीएमएचओ डॉ आरएस सेंगर ने उच्चाधिकारी से मार्गदर्शन लेने की बात कह उसे ज्वाईन करने नहीं दिया, अब आप सहज अंदाजा लगा सकते है, कि प्रभारी डीपीएम की जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग मे कितनी पैठ है।

### प्रभारी डीपीएम और सीएमएचओं की कहानी है पुरानी

दरअसल,पूरी कहानी के पीछे प्रभारी डीपीएम और सीएमएचओं की रणनीति को समझने के लिए अक्टूबर 2022 मे जाना होगा, तत्कालिन सीएमएचओ डॉ रामेश्वर शर्मा को राज्य सरकार ने हटाया और उसी के ठीक पहले कोरिया के डीपीएम का स्थानांतरण रायगढ़ हुआ। तब प्रभारी डीपीएम नए जिले एमसीबी के डीपीएम के पद पर पदस्थ थे, इसी बीच कलेक्टर कुलदीप शर्मा का स्थानांतरण बालोद हो गया और नए कलेक्टर विनय कुमार लंगेह कोरिया कलेक्टर बनाए गए, अब फिर क्या था,नए कलेक्टर की बैठकों में खुद को सिरमौर बताकर उनका छोटा छोटा काम करते हुए धीरे धीरे एकदम से कलेक्टर का करीबी बन गए हटाए गए प्रभारी डिपिएम, और कलेक्टर ने कोरिया के डीपीएम का भी चार्ज संविदा के पद पदस्थ आयुर्वेदिक चिकित्सक प्रिंस जायसवाल को दे दिया, इधर आयुर्वेदिक चिकित्सक की कार्यशैली से पूरा एमसीबी और कोरिया जिले के हर कोई वाकिफ थे, आते ही एमसीबी जिले के खान नर्सिंग होम पर छापा मार कर उस पर कार्यवाही कर दी गई,कार्यवाही को लेकर राज्य सरकार ने भी नाराजगी जताई और एमसीबी में प्रभारी डीपीएम का विरोध शुरू हो गया, तब के स्वास्थ्य मंत्री के पास कई दिग्गजों ने अपनी बात रखी, जिसके बाद कोरिया और एमसीबी दोनों जिलों में नए डीपीएम की नियुक्ति कर दी गई। 16 मई 2023 को राज्य सरकार से आदेश जारी हो गया।

### क्या बेटा बेटा के पीछे बेहद चालाकी?

डॉ रामेश्वर शर्मा के हटने के बाद डॉ आरएस सेंगर ने सीएमएचओ का प्रभार लिया और बहुत की मीठे लहजे मे चलाकी सामने आने लगी, इधर पूरे विभाग को डीपीएम ने अपने कब्जे में ले लिया था, जमकर खरीदी की जा रही थी, विभाग के सीएमएचओ अधिनस्थों को बेहद मीठे लहजे में बेटा बेटा कह कर चालाकी से डीपीएम के खिलाफ बोलकर नियम विरूद्ध काम करवाने लगे, अब विभाग में हर आदेश में पहले डीपीएम को दिखाने को बोलकर काम होने लगा। अब जब भाजपा की सरकार आई तो 16 मई 2023 के तहत आदेष के तहत बनाए गए डीपीएम जब प्रभार लेने पहुंचें तो सीएमएचओ ने यहां बड़ी चालाकी दिखाई और अब भी उसे ज्वाईन नहीं करने दिया, अब उनके द्वारा इस मामले में उच्चाधिकारियों से मार्गदर्शन लेने की बात कह कर उसे चलता कर दिया। जिससे साफ है कि संविदा के पद पदस्थ आयुर्वेदिक चिकित्सक प्रिंस जायसवाल और सीएमएचओं डॉ आर एस सेंगर की मिली भगत से विभाग में जमकर वित्तीय अनियमितताएं अब तक जारी है। सूत्रों की माने तो दोनों के खिलाफ शिकायत भी भाजपा की नई सरकार से की गई है। अब देखना है स्वास्थ्य विभाग दोनों के खिलाफ किस तरह का एक्शन लेता है।

### डीपीएम राकेश वर्मा ज्वाइन के लिए भटक रहे

16 मई 2023 को डायरेक्टर एनएचएम विलास संदीपान भोस्कर द्वारा जारी आदेश में मनेन्द्रगढ़ के नए डीपीएम ने अपना प्रभार ले लिया, परन्तु कोरिया के डीपीएम के प्रभार के लिए अब तक राकेश वर्मा को भटकना पड रहा है। तकनिकी तौर पर समझए किस तरह राज्य सरकार के आदेष को जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की मनमानी चली। नियमों के अनुसार डीपीएम का प्रभार एनएचएम के लेखापाल को दिया जाता है, सूत्र बताते है कि प्रभार लेते समय इस नियम का जिक्र भी किया गया, परन्तु नियमों को दरकिनार करते हुए संविदा के पद पदस्थ आयुर्वेदिक चिकित्सक प्रिंस जायसवाल को डीपीएम का प्रभार सौप दिया गया, जब कलेक्टर से उपर के राज्य स्तर के अधिकारी का आदेश आया तो यह आदेश शून्य हो गया, और 16 मई 2023 के आदेष मे समय सीमा का जिक्र भी नहीं था, बावजूद इसके नए डीपीएम को कोरिया ज्वाईन नहीं करने दिया गया।

### किसे हटाना है किसे कहां रखना है यह भी डीपीएम के इशारे पर

कोरिया जिले के सीएमएचओ को प्रभारी डिपिएम निर्देश देते हैं और उन्हीं के निर्देश पर वह काम करते हैं यह भी बताया जाता है। जिले के सीएमएचओ अपनी मंशा से काम नहीं कर पाते उन्हे हर निर्णय को डीपीएम के समक्ष रखना ही पड़ता है। बताया जाता है की विभाग में किसे कहां क्या जिम्मेदारी देनी है किससे क्या काम लेना है यह डीपीएम तय करते हैं।डीपीएम के निर्देश के बिना उनकी सहमति के बिना सीएमएचओ एक भी निर्णय नहीं ले पाते हैं। कुल मिलाकर सीएमएचओ केवल रबर स्टाम्प की तरह काम कर रहे हैं।

### डीपीएम की बढ़ती संपत्ति उनके भ्रष्टाचार में लिप्त होने की तरफ करती है इशारा

कोरिया जिले के डीपीएम की संपत्ति लगातार बढ़ती जा रही है। जिले के स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी सम्हालते हुए वह लगातार अपनी संपत्ति में इजाफा कर रहे हैं ऐसा सूत्रों का दावा है। यह सबकुछ भ्रष्टाचार के बल पर संभव हो पा रहा है यह कहना गलत नहीं होगा। कुल मिलाकर जिले के लोगों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी सम्हालने के नाम पर केवल अपनी जेब भरने का काम हो रहा है जो देखा जा रहा है।

# रेत के अवैध कारोबार से त्रस्त होकर लोगों ने बांकी मोंगरा मुख्य मार्ग पर किया चक्काजाम

**जिला खनिज अधिकारी ने अवैध रेत कारोबार पर लगातार कार्यवाही किए जाने का दिया आश्वासन**

-संवाददाता-
कोरबा,06 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले के बांकीमोंगरा क्षेत्र में रेत माफियाओं के खिलाफ लोगों ने मोर्चा खोल दिया। नियम को ताक पर रखकर जिस तरह से रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा है, उससे परेशान लोगों ने मंगलवार सुबह बांकीमोंगरा मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। चक्काजाम की वजह से दोनों ओर गाड़ियां फंस गई। सुबह उस रास्ते से गुजरने वाले लोग परेशान होते रहे। विरोध-प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। अहिरन नदी से जिस तरह से रेत माफिया अवैध उत्खनन को अंजाम दे रहे हैं, उससे ग्रामीणों के खेत की मिट्टी का कटाव हो रहा है। इतना ही नहीं और भी कई तरह की परेशानियों का सामना उन्हें करना पड़ रहा



है। मंत्री से लेकर कलेक्टर तक से शिकायत करने के बाद भी जब समस्या का समाधान नहीं हुआ, तब लोगों ने बांकीमोंगरा मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। इससे मार्ग के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। लोगों के विरोध-प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही पुलिस-प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। इसके अलावा खनिज विभाग के अधिकारी प्रमोद नायक भी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाइश दी। अधिकारियों ने अवैध रेत उत्खनन पर रोक लगाने का आश्वासन लोगों को दिया।

अधिकारियों के आश्वासन के बाद लोगों ने चक्काजाम खत्म कर दिया। इसके बाद जाम में फंसी गाड़ियों को धीरे-धीरे करके निकाला गया। खनिज अधिकारी प्रमोद नायक ने बताया कि सूचना पर वे मौके पर पहुंचे। यहां घटना की जानकारी लेने के बाद रेत घाट पर कार्रवाई की गई है। अवैध रेत घाट को सील कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आगे भी इस तरह की अवैध गतिविधियों पर कार्यवाही जारी रहेगी। अब देखना होगा के अधिकारी के द्वारा लगातार अवैध रेत घाटों का संचालन और परिवहन पर कार्यवाही की बात क्या रेत माफियाओं को अवैध गतिविधियां करने से रोक सकेगी ? या फिर से अवैध रेत घाटों को लेकर आम नागरिक चक्काजाम जाम की लड़ाई लड़ने के लिए उतरेगी ।

**न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202401020700095**

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2023-2024

नमनाकला प.ह.न. 00020 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-दिनेश शरण मिश्रा,
अनावेदक पक्षकार- अध्यक्ष महामाया कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी समिति,

**ईश्तहार**

आवेदक दिनेश शरण मिश्रा आ0 स्व0गर्गी शरण मिश्रा व अन्य, निवासी 1436/बी, सरस्वती कॉलोनी पारिजात बिल्डिंग के पीछे, बल्देवबाग, जबलपुर, मध्यप्रदेश के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 2/15, 2/16,2/17 में से 40×60 कुल 2400 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रयपत्र के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/02/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/01/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर




## पुलिस अधीक्षक ने नेत्र परीक्षण को बताया सुरक्षित जीवन का अभिन्न अंग

-संवाददाता-
कोरबा,06 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला ने नेत्र परीक्षण कैंप जाकर अपनी आंखो की जांच कराई और वाहन चालकों को आंखों की जांच के लिए जागरूक किया। उन्होंने सेफ ड्राइविंग के लिए सुरक्षा और स्वस्थ्य को जरूरी बताया। सड़क सुरक्षा माह 2024 के तहत वाहन चालको के सेहत की फिक्र करते हुए यातयात पुलिस ने विशेष कार्यक्रम किया। पहले उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया और उसके बाद उन्हें सड़क पर सुरक्षित ड्राइविंग का पाठ पढ़ाया। सड़क सुरक्षा जागरूकता और वाहन चालकों के नेत्र परीक्षण के लिए अंचल की ख्यातिलब्ध संस्थान चश्मा घर और यातायात पुलिस के सयुंक्त प्रयास से टी.पी. नगर चश्मा घर के सामने कैंप लगाकर वाहन चालकों का निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला ने नेत्र परीक्षण कराकर लोगो को यातायात के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इन दिनों देश भर में राष्टीय सड़क सुरक्षा माह 2024 मनाया जा रहा है। यातायात जागरूकता के लिए चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत कोरबा जिला पुलिस द्वारा एक अनुकरणीय पहल की गई।

## महतारी वंदन योजना के नाम पर उगाही,गलत फॉर्म भराने,भ्रामक जानकारी देने पर होगी कड़ी कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,06 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।



कलेक्टर वसंत ने समय सीमा की बैठक में महतारी वंदन योजना अंतर्गत आवेदन फॉर्म वितरण और जमा लेने के संबंध में समीक्षा की। उन्होंने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में फॉर्म वितरण, महिलाओं का आवेदन जमा करने शिविर लगाने,आवेदन की जाँच, दावा आपत्ति और आगे की प्रक्रिया के संबंध में जिला पंचायत सीईओ और नगर निगम आयुक्त, डीपीओ महिला एवं बाल विकास विभाग को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने महतारी वंदन योजना अंतर्गत किसी प्रकार की भ्रामक जानकारी देने,फॉर्म भरने के नाम पर उगाही करने,गलत कार्यों पर नजर रखने और सम्बंधित एसडीएम को कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए।

**न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202401020700003**

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2023-2024

सरईटिकरा प.ह.न. 00025 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-गुंजन,
अनावेदक पक्षकार- छ0ग0 शासन,

**ईश्तहार**

आवेदक गुंजन पिता स्व0 रामभरोष निवासी ग्राम सरईटिकरा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सरईटिकरा स्थित कुल खसरा नंबर 11 कुल रकबा 0.433 हे0 भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 07/02/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/01/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर

**न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202402020700004**

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2023-2024

सांडवार प.ह.न. 00024 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-खुलेश्वर पैकरा,
अनावेदक पक्षकार- छ0ग0 शासन,

**ईश्तहार**

आवेदक खुलेश्वर पैकरा आ0 चन्दन पैकरा निवासी ग्राम हर्राटिकरा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सांडबार स्थित खसरा नंबर 38 रकबा 0.190 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में त्रुटिवश तुलेश्वर अंकित हो गया है, जिसे सुधार कर खुलेश्वर पैकरा सुधार करने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 11/03/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/02/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर

**छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग क्र0-1, अम्बिकापुर (छ0ग0)**

**ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना**

eprocurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

निविदा सूचना क्र. .10/व.ले.लि./2023-24, अम्बिकापुर दिनांक 01/02/2024
निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 22/02/2024 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

| स.क्र. | सिस्टम निविदा क्र. | कार्य का नाम | कार्य की अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|
| 1 | 152311 | गंगोली उद्वहन सिंचाई योजना में कांक्रीट चैनल का निर्माण, नहरों में मिट्टी का कार्य एवं पक्के स्ट्रक्चरों का निर्माण तथा मोटर पम्प बदलने का कार्य। | रू.188.27 लाख। |

(दिनांक 01.08.2010 के एस.ओ.आर. तथा संशोधित 01.08.2014 के अनुसार)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 08.02.2024 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोटः निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

जी नंबर-07525/2

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन क्र0-1, अम्बिकापुर छ.ग.
कृते अधीक्षण अभियंता श्याम बरनई परियोजना मण्डल,अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग.

# हेलीकाप्टर किराये के खर्च का मामला विधानसभा में गूंजा

» बीते 4 साल में कितने का किया भुगतान

**रायपुर,06 फरवरी 2024(ए)।** विधानसभा में भाजपा विधायक राजेश मूणत ने जानना चाहा कि प्रदेश में एक जनवरी 2019 से नवंबर 2023 तक हेलीकॉप्टर, और विमान के लिए कुल कितना भुगतान किया गया है? इसके जवाब में सीएम साय ने बताया कि सरकारी यात्रा, और दौरे के लिए निजी हेलीकॉप्टर व विमान निजी कंपनियों से किराए पर लिए गए थे। प्रदेश में सरकार ने निजी हेलीकॉप्टर, और विमान के किराए पर करीब पौने तीन सौ करोड़ रूपये खर्च किए हैं।

उन्होंने बताया कि कंपनियों को निजी हेलीकॉप्टर किराए के रूप में 190 करोड़ 61 लाख 93 हजार से अधिक भुगतान किया गया। जबकि निजी विमानन कंपनियों को किराए के रूप में 73 करोड़ 65 लाख 54 हजार से अधिक का भुगतान किया गया। कुल मिलाकर 264 करोड़ 27 लाख 48 हजार से अधिक का भुगतान किया गया है।

### दुर्घटनाग्रस्त हेलीकाप्टर में खर्च हुए करोड़ों

गौरतलब है कि रमन सरकार ने अगुस्ता हेलीकॉप्टर करीब 29 करोड़ में खरीदा था। साल भर पहले यह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसके बाद से हेलीकॉप्टर किराए पर लिया जा रहा था। यही नहीं, हेलीकॉप्टर की मरम्मत पर ही 19 करोड़ 62 लाख 33 हजार से अधिक भुगतान किया गया। इसी तरह सरकारी विमान की मरम्मत पर 14 करोड़ 76 लाख 15 हजार से अधिक खर्च किए गए।

### हेलीकॉप्टर पर किराये का वर्षवार भुगतान

वर्ष-2019 में 6 कंपनियों से हेलीकॉप्टर किराए पर लिए गए थे। उन्हें 14 करोड़ 88 लाख 17 हजार से अधिक भुगतान किया गया।
वर्ष-2020 में 2 कंपनियों से हेलीकॉप्टर किराए पर लिए गए थे, उन्हें 10 करोड़ 54 लाख 81 हजार से अधिक भुगतान किया गया।

### टेंडर से तय होता है किराया

सीएम ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर टेंडर के माध्यम से आमंत्रित किराया दर की स्वीकृति के आधार पर निजी हेलीकॉप्टर और विमान सेवा के लिए राशि का भुगतान किया गया।

## सत्तापक्ष एमएलए कौशिक ने अपने ही खाद्य मंत्री को पीडीएस घोटाले में घेरा

### मंत्री दयालदास बघेल ने कहा-विधानसभा समिति करेंगी जांच

छत्तीसगढ़ विधानसभा के प्रश्नकाल में पीडीएस दुकानों की जांच का मामला उठा। सत्ता पक्ष से एमएलए धरमलाल कौशिक ने अपने ही खाद्यमंत्री को सदन में घेरा। विधायक धरमलाल कौशिक ने पीडीएस दुकानों की जांच का मुद्दा उठाया और पिछले कार्यकाल में हुए खाद्यन्न की अफरा-तफरी की जांच की मांग की। खाद्य मंत्री दायाल दास बघेल ने पिछले कार्यकाल में हुए 216 करोड़ के घोटाले की बात मानी और इसकी जांच कराने का आश्वासन दिया। वहीं सत्तापक्ष की ओर से भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक, अजय चंद्राकर, राजेश मूणत ने भी पीडीएस में हुई गड़बड़ी को लेकर खाद्य मंत्री को घेरा। वहीं इन विधायकों ने पीडीएस दुकान संचालकों की जांच के साथ कड़ी कार्रवाई की मांग की। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने पीडीएस में हुए 216 करोड़ के घोटाले की जांच, पीडीएस दुकान संचालकों की जांच सहित कई मंगों को स्वीकारा और जांच करने की सहमति दी। इन सभी मांगों की जांच विधानसभा समिति करेंगी।

## सदन में डॉ.रमन सिंह ने क्यों कहा महंत से...इस उम्र में भी रोमांटिक हैं आप

### शेरों-शायरी से विधानसभा हो गया गुलजार

छत्तीसगढ़ में नई सरकार के आने के बाद विधानसभा में पहले बजट सत्र की शुरुआत मंगलवार को शेरो-शायरी से हुई। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के सुनाए शेर से विधानसभा गुलजार हो गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह भी कह उठे कि इस उम्र में भी आप रोमांटिक हैं, यह अच्छी बात है।

विधानसभा के बजट सत्र में मंगलवार को प्रश्नकाल की शुरुआत में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से शेर अर्ज करने की इजाजत मांगी। अध्यक्ष ने कहा कि आज आपने शेरो-शायरी से शुरुआत की है, पांच साल ऐसा ही चलता रहे। नेता-प्रतिपक्ष ने इस पर अपनी सहमति जताते हुए शेर सुनाया।

**खामोश लम्हे,झुकी हैं पलके,**
**दिलों में उलफत नई-नई।**
**अभी तकल्लुफ है गुफ्तगू में,**
**अभी मोहब्बत नई-नई है।।**
**बहार का आज पहला दिन है,**
**चलो चमन में घूम में आएं।**

फिजा में खुश्बू नई-नई है, गुलो में रंगत नई-नई है।। डॉ. महंत से शेर सुनने के बाद डॉ. रमन सिंह कह उठे कि आप इस उम्र में भी आप रोमांटिक हैं, यह अच्छी बात है. इसके बाद गुंडरदेही से कांग्रेस विधायक कुंवर सिंह निषाद ने भी शेर सुनाया।

**वो जो रास्ते थे वफा के थे,**
**ये जो मंजिलें हैं सजा की है।**
**उनका हमसफर कोई और था,**
**इनका हमनसीब कोई और है।।**

विधानसभा के माहौल में आए बदलाव का ही असर रहा कि मुंगेली से भाजपा के वरिष्ठ विधायक पुन्नूलाल मोहले भी अपने आप को नहीं रोक पाए. उन्होंने ने भी शेरो-शायरी से जवाब दिया।

**नई उमंग है,नई जोश है।**
**आप थोड़े दिल से खामोश हैं,क्यों चुप हैं।।**

## सदन में उठा पीडीएस में गड़बड़ी का मुद्दा

विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान पीडीएस में हुए गड़बड़ी का मुद्दा गरमाया रहा। सदन में विधायक धरमलाल कौशिक ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा किपीडीएस दुकानों मे गड़बड़ी की जांच के संबंध में जांच के निर्देश दिये गये थे। लेकिन इस संदर्भ में कोई कार्रवाई अब तक नहीं हुई है। जवाब में खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि पिछली सरकार में तय समय पर सत्यापन नहीं किया गया था। जिसकी वजह से कार्रवाई में देरी हुई है। जिसके बाद धरमलाल कौशिक और अजय चंद्राकर ने कहा कि आसंदी के निर्देश के बावजूद भौतिक सत्यापन नहीं किया गया, यह गंभीर बात है। भाजपा विधायकों ने इस संबंध में कार्रवाई की मांग की। सत्ता पक्ष के विधायकों की तरफसे जांच की मांग पर विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने कहा कि आसंदी के निर्देशों का पालन होना चाहिए।

जो भी मंत्री जवाब देने आएं, उन्हें इसकी चिंता करनी चाहिए। जिसके बाद खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि 24 मार्च 2023 तक पीडीएस मामले में जांच करा ली जाएगी। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा इस विषय मे आसंदी से निर्देश थे, लेकिन अब तक जांच रिपोर्ट नही आई तो यह आसंदी की अवमानना है। इस मामले में कार्रवाई होनी चाहिये। विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा आज पहली बार सवाल-जवाब का दिन है, इसलिए आज कुछ नही कह रहा, लेकिन अगर आसंदी से निर्देश होता है तो उस पर गंभीरता से कार्यवाई होनी चाहिए। धरमलाल कौशिक ने जानकारी मांगी कि, भौतिक सत्यापन का जो निर्देश दिया गया था, उसका अभी मौजूदा स्टेटस क्या है। जिसके बाद खाद्य मंत्री ने कहा कि पीडीएस में अब तक 216.08 करोड़ रुपए की कमी पाई गई है। जिस पर धरमलाल कौशिक ने सवाल पूछा कि पीडीएस 216 करोड़ रुपये की गड़बड़ी अफरातफरी कैसे क्या कारण है.. क्या कार्रवाई करेंगे? खाद्य मंत्री का जवाब वन नेशन, वन राशन कार्ड लागू होने के बाद डाटा भारत सरकार के पास रहता था, जो भी गड़बडियां हुई है उसमें समितियों की नियमित वैठक करके पीडीएस स्टॉक में अनियमितता में संबंधितों के खिलाफकार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने माना चावल वितरण में गड़बड़ी हुई है। उन्होंने सदन में इस बात की घोषणा, कि सरकार सदन की समिति से इस मामले की जांच करायेगी। संसदीय कार्य मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा पीडीएस में हुई गड़बड़ी मामले में सदन की जांच समिति करेगी जांच।

## धान खरीदी की तारीख बढ़ाने सदन में हंगामा

» विपक्षी विधायकों ने किया वाकआउट...

» पूर्व सीएम ने लगाया आरोप-किसानों को नहीं मिला टोकन

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे धान खरीदी का मुद्दा सदन में गूंजा। सत्ता पक्ष की ओर से कहा गया कि 25 जनवरी तक 1 लाख 30 हजार टन से अधिक धान खरीदी हुई । वहीं विपक्षी विधायकों ने जमकर हंगामा किया।कांग्रेस विधायकों ने कहा कि जब हमारी सरकार थी तब इससे ज्यादा धान खरीदी हुई है। इस बार पिछली बार से कम धान खरीदी हुई। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में धान खरीदी हो रही है लेकिन किसानों को टोकन नहीं दिया गया। कांग्रेस सरकार में धान का रकबा इससे ज्यादा था और इस बार पिछले बार की तुलना में धान का रकबा कम हुआ है। वहीं धान खरीदी की तिथि को बढ़ाए जाने को लेकर जमकर हंगामा हुआ। वहीं सदन में हंगामे के बाद विपक्षी विधायकों ने नारेबाजी की और सदन से वाकआउट कर दिया।

## चुनाव से पहले एएसपी-निरीक्षकों के होंगे तबादले

**रायपुर,06 फरवरी 2024 (ए)।** आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी प्रदेश की भाजपा सरकार कानून व्यवस्था को और दुरुस्त करने के लिए पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करने की तैयारी कर रही है । लोकसभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव आयोग कभी भी आचार संहिता लागू कर सकती है। इसके पहले पुलिस विभाग में तबादला लिस्ट जारी होने की संभावना जताई जा रही है । आईजी और एसपी रैंक के अधिकारियों की लिस्ट गृह विभाग ने जारी कर दी है। इस लिस्ट के जारी होने के बाद एएसपी रैंक- निरीक्षक रैंक के अधिकारियों की लिस्ट का इंतजार है। पुलिस सूत्रों के अनुसार एएसपी रैंक और निरीक्षक रैंक के अधिकारियों की लिस्ट भी जंबो आएगी।एएसपी की लिस्ट में 80 से ज्यादा अफसर और निरीक्षक रैंक की लिस्ट में 100 से ज्यादा अफसरों का नाम होगा। आईजी और एसपी रैंक के अधिकारियों की लिस्ट निकलने के बाद एएसपी-निरीक्षक रैंक के अधिकारियों ने अपना बैग पैक करना शुरू कर दिया है।

## गरीबों का राशन हड़प रहे मुनाफाखोरों पर होगी सख्त कार्रवाई

» खाद्य आपूर्ति मंत्री बघेल से विधायक रिकेश सेन की चर्चा

» चिन्हित राशन दुकाने होंगी सील,आरोपियों पर लगेगा रासुका

**रायपुर/भिलाई,06 फरवरी 2024 (ए)।** पिछले कुछ वर्षों से दुर्ग जिले के खुर्सीपार, कैम्प, सुपेला सहित अनेक राशन दुकानों से गरीबों का राशन औने पौने में हड़प कर मुनाफाखोर एक बड़ी टीम के साथ पीडीएस चावल की तस्करी करते रहे हैं। विधायक रिकेश सेन ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल से इस विषय में मुलाकात कर इस बड़े अवैध कारोबार का खुलासा करते हुए इसे रोकने कड़े एक्शन के संकेत दिए हैं। आपको बता दें कि सुपेला, कैंप क्षेत्र में गरीबों को बांटे जाने वाले सरकारी राशन पर लंबे समय से मुनाफाखोरों की नजर रही है। कई राशन दुकान संचालक भी इस स्कैंडल में संलिप्त रहे हैं। मोपेड और तीन पहिया वाहनों की मदद से राशन दुकानों से पीडीएस चावल उठा कर कैंप,सुपेला, रामनगर,छावनी,कुरूद और टाउनशिप के रिहायशी क्षेत्र में बनाए गए अड्डे तक ले जाया जाता है, यहां चावल को बोरियां बदल कर इन्हें चार पहिया वाहनों में लोड कर राइस मिलों तक ले जाया जाता है, पालिसिंग बाद यही चावल पावर हाऊस, सुपेला और दुर्ग के बड़े अनाज व्यवसायियों की मदद से क्षेत्र की राशन दुकानों तक पहुंचता है। एक रूपये की दर से दिया जाने वाला गरीबों के हक का यही चावल 7 से 10 रूपये में राशन दुकान संचालकों और कुछ दलालों से खरीद कर कुछ लोग तय अड्डों तक दो से चार बोरियों की कई खेप लगा कर पहुंचाते हैं। यहां गरीबों के चावल की बोरियां बदल कर 50 से 100 बोरी चावल अलग अलग गाड़ियों से महीने भर निजी गोदामों तक पहुंचता रहा है। करोड़ों के इस काले कारोबार में लंबे समय से बड़े अनाज व्यवसायी चांदी काटते रहे हैं।

## नहीं मिल रहा जमीन और घर का रिकॉर्ड

» रजिस्ट्री कराने भटक रहे लोग

» अधिकारी दे रहे में अपलोड होने का हवाला

**रायपुर,06 फरवरी 2024 (ए)।** राजधानी में हजारों लोगों की जमीन और मकान ऑनलाइन रेवेन्यू रिकॉर्ड में नहीं दिखाने से लोग परेशान हैं. इसके चलते जमीन की रजिस्ट्री नहीं करा पा रहे. ऑनलाइन रिकॉर्ड में तो राजधानी से लगा केंद्री गांव का रिकॉर्ड पूरी तरह गायब है। ऑनलाइन भुईया पोर्टल से सिर्फ रायपुर तहसील के 1500 से ज्यादा खसरे विलोपित हो गए हैं. इस संबंध में पटवारियों ने एसडीएम को भी रिपोर्ट दी है।

बता दें कि बीते एक माह से भुईया पोर्टल को अपडेट किया जा रहा है। इसके बाद भी कई दिक्कतें सामने आ रही है. खसरा नंबरों का डिजिटल सिग्नेचर करने के बाद सिग्नेचर हट जा रहा है। पीडीएफभी नहीं बन रहा है। रजिस्ट्री करने के बाद नामांतरण के समय क्रेता-विक्रेता एवं प्रस्तावित भूमि स्वामी के नाम में अंतर आ रहा है। भूईया साफ्टवेयर में जब भी नया वर्जन एनआईसी द्वारा शुरू किया जाता है तब बहुत से खातों में विसंगतियां उत्पन्न हो जाती है। इन विसंगतियों का पटवारी आईडी में सुधार का विकल्प नहीं है.रायपुर एसडीएम देवेंद्र पटेल ने बताया, सभी तहसीलों से 400 विलोपित खसरों की अभी तक सूची मिली है. इनके सुधार की प्रक्रिया की जा रही है. जल्द ही सुधार कर दिया जाएगा।

### रिकॉर्ड अपलोड करने का चल रहा काम : रजिस्ट्रार

इस मामले में नवा रायपुर के रजिस्ट्रार संजय श्रीवास्तव ने बताया, कई गांवों का रिकॉर्ड अभी ऑनलाइन अपलोड नहीं हुआ है। अभी रकॉर्ड अपलोड करने का काम चल रहा है.। 10-15 दिनों में रिकॉर्ड अपलोड हो जाएगा। इसके बाद ही किसी भी जमीन की रजिस्ट्री हो जाएगा. नए सिस्टम में रिकॉर्ड अपलोड नहीं होने से 40 गांवों के लोग परेशान हैं।

## शराब दुकानों में अधिक मात्रा में शराब खरीदी पर होगी कार्रवाई

**रायपुर,06 फरवरी 2024 (ए)।** प्रदेश में आबकारी विभाग द्वारा शराब की विक्रय संबंधी अनियमितताओं तथा अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी के साथ लगातार कार्यवाही भी की जा रही है। सचिव आबकारी सह आयुक्त आर. शंगीता ने प्रदेश में शराब दुकानों का संचालन करने वाली समस्त प्लेसमेंट एजेंसियों की बैठक लेकर शराब दुकानों में शासन द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक मात्रा में शराब बेचने पर कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी है। गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश में राज्य शासन के सार्वजनिक उपक्रम सी.एस.एम.सी.एल. द्वारा प्लेसमेंट एजेंसियों के कर्मचारियों के माध्यम से शराब दुकानों का संचालन कराया जा रहा है। प्लेसमेंट एजेंसियों द्वारा अपने विक्रयकर्ताओं पर भी निगरानी रखी जा रही है।

जिससे अब शराब दुकानों से शराब कोचियों को भारी मात्रा में शराब की बिक्री नियंत्रित हुई है। प्रदेश में संचालित शराब दुकानों से ओव्हर रेटिंग, मिलावट तथा कोचियों को मदिरा की आपूर्ति पर कड़ी कार्यवाही करते हुए इसे रोका जा रहा है। मदिरा दुकानों से ग्राहको को निर्धारित सीमा में ही शराब की बिक्री की जा रही है। कोई भी व्यक्ति इस निर्धारित सीमा से अधिक मात्रा में मदिरा की मांग अथवा किसी भी प्रकार का अपराधिक कृत्य मदिरा दुकान में करता है, तो उसके विरूद्ध भी कड़ी वैधानिक कानूनी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसी क्रम में जिला बलौदाबाजार स्थित देशी मदिरा दुकान भाटापारा 01 (सुरखी रोड) के सेल्समैन को स्थानीय शराब कोचिया द्वारा 10 पाव से ज्यादा की देशी शराब की मांग की गई। सेल्समैन द्वारा शराब कोचियो को मना करने पर उसने कर्मचारियों से मारपीट की। मारपीट किए जाने की उक्त घटना 3 फरवरी 2024 को प्रकाश में आयी है।

## छत्तीसगढ़ के इन जिलों से होते हुए गुजरेगी राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा

**रायपुर,06 फरवरी 2024(ए)।** करारी हार के बाद लोकसभा चुनाव की तैयारी में कांग्रेस लगी है। इसी के तहत खबर आ रही है कि राहुल गांधी की यात्रा रायगढ़,सक्ति , कोरबा,सरगुजा और बलरामपुर होते हुए गुजरेगी। इसी कड़ी में युवा कांग्रेस द्वारा स्टिकर कैंपेन चलाया जा रहा है।

दीपक बैज ने इस दौरान युवा कांग्रेस के इस अभियान की प्रशंसा करते हुए इसे लगातार जारी रखने का निर्देश भी दिया। नेता ने बताया कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा छत्तीसगढ़ आ रही है।जिसको लेकर छत्तीसगढ़ के युवाओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। यात्रा के प्रचार प्रसार में प्रदेश भर में स्टिकर कैंपेन चलाया जा रहा है। जिसके तहत पार्टी के सभी निर्वाचित नेताओं और सभी मोर्चा संगठन के पदाधिकारियो के वाहनों में भारत जोड़ो न्याय यात्रा से संबंधित स्टीकर लगाये जा रहे हैं।

## 116 करोड़ के नए जेल भवन के लिए टेंडर पर फैसला हाईकोर्ट के आदेश के बाद

### ठेका कंपनी ने दायर की है याचिका

**बिलासपुर,06 फरवरी 2024(ए)।** जिले में 116 करोड़ रुपए की लागत से बनाई जा रही जेल को लेकर आमंत्रित नए टेंडर पर आगे की कार्रवाई हाईकोर्ट के आदेश के बाद की जाएगी। इस मामले में दायर याचिका को लेकर सरकार के इस आश्वासन के बाद हाईकोर्ट ने इससे संबंधित याचिका का निराकरण कर दिया।

### क्या है मामला..?

बिलासपुर जिले के बैमा ग्राम में एक नई केंद्रीय जेल का निर्माण किया जाना है। मां भगवती कंस्ट्रक्शन को इसका ठेका मिला था। टेंडर मंजूर होने के बाद लोक निर्माण विभाग को जानकारी मिली कि कंस्ट्रक्शन कंपनी ने कार्य के अनुभव का फर्जी दस्तावेज जमा कर टेंडर हासिल किया। जांच के बाद टेंडर निरस्त कर दिया गया। इसके बाद विभाग ने एक नया टेंडर जारी किया।

### नए टेंडर के विरोध में याचिका

इधर मां भगवती कंस्ट्रक्शन कंपनी ने टेंडर निरस्त करने के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई हाल ही में पूरी हो चुकी है और फैसला सुरक्षित रखा गया है। याचिकाकर्ता ने कोर्ट के फैसले के पहले नए टेंडर की प्रक्रिया शुरू करने को हाईकोर्ट में चुनौती दी। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की बेंच में इस याचिका पर सुनवाई हुई। सरकार की ओर से आश्वासन दिया गया है कि हाई कोर्ट का निर्णय आने से पूर्व नए टेंडर पर आगे की कोई कार्रवाई नहीं होगी। अदालत ने इसके बाद याचिका का निराकरण कर दिया। फिलहाल टेंडर निरस्त करने के मामले में हाई कोर्ट के फैसले का इंतजार है।

## इनामी महिला माओवादी ने किया आत्मसमर्पण

### अब तक लोन वर्राटू अभियान के तहत कितने नक्सलियों ने किया सरेंडर

**दंतेवाड़ा,06 फरवरी 2024 (ए)।** छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में नक्सलियों का आतंक लगातार जारी है। इसी बीच लोन वर्राटू (घर वापस आइए) अभियान से प्रभावित होकर केकेबीएन डिवीजन अंतर्गत महानदी एरिया कमेटी में सक्रिय 1 इनामी महिला माओवादी ने आत्मसमर्पण किया।

गौरतलब है कि लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 170 इनामी माओवादी सहित कुल 667 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है।

बता दें कि, आत्मसमर्पित महिला माओवादी केकेबीएन (कालाहांडी, कंधामल, बौध, नवागढ़) डिवीजन अन्तर्गत महानदी एरिया कमेटी पार्टी सदस्य के पद पर सक्रिय थी। आत्मसमर्पित महानदी एरिया कमेटी पार्टी सदस्य के पद पर ओडिशा राज्य सरकार ने 1 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)